

एनसीएल जयंत में ब्लास्टिंग पर बवाल

500 मीटर की जगह 200 मीटर में विस्फोट का आरोप

डीजीएमएस के सुरक्षा मानकों की अनदेखी की शिकायत से मचा हड़कंप

सीएमपीएल चट्टा की कथित ब्लास्टिंग पर निष्पक्ष जांच की मांग, सवालों के घेरे में निगरानी व्यवस्था

सिंगरौली। कोयला उत्पादन की रफ्तार बढ़ाने के बीच क्या खदानों में सुरक्षा मानकों से समझौता किया जा रहा है? क्या निर्धारित नियमों की निगरानी करने वाला तंत्र अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है? एनसीएल की जयंत परियोजना में सीएमपीएल चट्टा से जुड़ी कथित ब्लास्टिंग को लेकर उठे सवालों ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि जहां 500 मीटर की दूरी बनाए रखने की बात कही जा रही है, वहां महज 200 मीटर के दायरे में विस्फोट किया गया। यदि शिकायत में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं, तो



मामला खनन सुरक्षा और संभावित जनहानि के जोखिम से जुड़ा गंभीर विषय बन सकता है। कोयला खदानों में उत्पादन के लिए ब्लास्टिंग जरूरी प्रक्रिया है, लेकिन इसके साथ सुरक्षा मानकों का पालन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विस्फोट के दौरान तेज कंपन, पत्थरों के टुकड़े दूर तक उछलने और आसपास स्थित मकानों, प्रतिष्ठानों तथा अन्य संरचनाओं को नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। ऐसे में निर्धारित सुरक्षा प्रक्रिया को अनदेखी किसी बड़े हादसे की वजह बन सकती है। मामले में सबसे बड़ा सवाल ब्लास्टिंग स्थल और आसपास के क्षेत्र के बीच निर्धारित दूरी को लेकर है। आरोप है कि 500 मीटर की दूरी संबंधी

सुरक्षा प्रावधान के बावजूद महज 200 मीटर के दायरे में ब्लास्टिंग की गई। अब यह स्पष्ट होना जरूरी है कि संबंधित स्थल पर कौन से सुरक्षा मानक लागू थे और क्या विस्फोट से पहले सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की गई थीं। क्या ब्लास्टिंग की स्वीकृत योजना में निर्धारित दूरी का पालन किया गया? क्या विस्फोट से पहले जोखिम का आकलन किया गया था? क्या संबंधित अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की पुष्टि की थी? इन सवालों का जवाब एनसीएल प्रबंधन और संबंधित ठेका एजेंसी को देना चाहिए। हालांकि 500 मीटर की दूरी का प्रावधान इस विशेष स्थल पर लागू था या नहीं इसकी पुष्टि संबंधित स्वीकृत

ब्लास्टिंग योजना और खदान सुरक्षा संबंधी लागू नियमों के आधार पर की जानी आवश्यक है। केवल आरोपों के आधार पर नियमों के उल्लंघन को प्रमाणित नहीं माना जा सकता। खदानों में सुरक्षा मानकों के अनुपालन की निगरानी और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करना प्रबंधन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

डीजीएमएस की निगरानी पर खड़ा हो रहा सवाल

जयंत परियोजना में कथित अनियमित ब्लास्टिंग को लेकर निगरानी व्यवस्था की भूमिका पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यदि ब्लास्टिंग निर्धारित मानकों के अनुरूप हुई है, तो प्रबंधन को दस्तावेजों और तथ्यों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। वहीं यदि किसी स्तर पर नियमों का उल्लंघन सामने आता है तो जिम्मेदारी तय कर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए ब्लास्टिंग रिकॉर्ड, स्वीकृत

योजना, विस्फोट स्थल की वास्तविक दूरी, निरीक्षण रिपोर्ट और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की पड़ताल जरूरी है। साथ ही, सीएमपीएल चट्टा की भूमिका और ब्लास्टिंग के दौरान अपनाई गई सुरक्षा प्रक्रिया की भी जांच होनी चाहिए।

उत्पादन जरूरी, लेकिन सुरक्षा से समझौता नहीं

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या संभावित हादसे के बाद ही सुरक्षा व्यवस्था की खामियों पर गंभीरता दिखाई जाएगी? खनन क्षेत्र में उत्पादन और लक्ष्य महत्वपूर्ण हैं, लेकिन श्रमिकों तथा आसपास के लोगों की सुरक्षा से बढकर कुछ नहीं हो सकता। एनसीएल प्रबंधन को सामने आए आरोपों पर अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। संबंधित सक्षम सुरक्षा एजेंसी से मामले की जांच कराकर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक की जानी चाहिए, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

सिंगरौली के सितारे कार्यक्रम में छात्राओं ने किया अंतरिक्ष दर्शन, चंद्रमा और शनि के दीदार से बढ़ा उत्साह

विद्यार्थियों की जिज्ञासा ही वैज्ञानिक प्रगति का आधार: विधायक

सिंगरौली। कलेक्टर गौरव बैनल की पहल पर जिले के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने तथा विज्ञान एवं खगोल विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से एकलव्य आवासीय विद्यालय बरगवा में सिंगरौली के सितारे,अंतरिक्ष दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को आधुनिक प्रोफेशनल टेलीस्कोप के माध्यम से विभिन्न खगोलीय पिंडों के प्रत्यक्ष अवलोकन का अवसर मिला। अंतरिक्ष की दुनिया को करीब से देखने का अवसर पाकर छात्राओं में ख़ासा उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने टेलीस्कोप की सहायता से चंद्रमा की सतह, शनि ग्रह के वलयों और बृहस्पति ग्रह की विशेषताओं का अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्हें तारामंडलों एवं अन्य खगोलीय पिंडों के संबंध में जानकारी दी गई। पुस्तकों में पढ़े गए वैज्ञानिक तथ्यों को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का अवसर मिलने से छात्राओं की जिज्ञासा बढ़ी। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक खगोलीय पिंडों के बारे में जानकारी प्राप्त की और अंतरिक्ष, ग्रहों तथा उनकी विशेषताओं से जुड़े विभिन्न विषयों को समझा। कार्यक्रम में देवसर



विधायक राजेन्द्र मेश्राम ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों में सीखने की जिज्ञासा और नई चीजों को जानने की ललक ही उन्हें भविष्य में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। विज्ञान एवं खगोल विज्ञान जैसे विषयों को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखकर उनके व्यावहारिक अनुभव से जोड़ना आवश्यक है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाओं को साकार करनेए वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने और नई संभावनाओं को खोज करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे मन में उठने वाले सवालों के उत्तर खोजने का प्रयास करें। निरंतर अध्ययन करें और वैज्ञानिक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि जिले के विद्यार्थियों को विज्ञानए तकनीक

और अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए ऐसे अवसर उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना तथा उनमें वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा और अनुसंधान की भावना विकसित करना रहा। सिंगरौली के सितारे अंतरिक्ष दर्शन जिले के विद्यार्थियों को विज्ञान, तकनीक एवं अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस प्रकार की गतिविधियों से विद्यार्थियों को अपनी जिज्ञासाओं का वैज्ञानिक समाधान खोजने, नई जानकारीयां प्राप्त करने तथा भविष्य में खगोल विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में करियर की संभावनाओं को समझने का अवसर मिलेगा।

11 छात्राओं के यौन उत्पीड़न के मामले को लेकर भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन, राहुल गांधी का पुतला फूँका

सिंगरौली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय जेएनयू के पूर्व प्रोफेसर एवं मणिपुर की इनर मणिपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद डॉ.अंगेमचा बिमोल अकोइजाम के खिलाफ 11 छात्राओं द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर देशभर में राजनीतिक विरोध तेज हो गया है। इसी मामले को लेकर भाजपा और महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पुतला दहन किया। प्रदर्शनकारियों



ने कांग्रेस नेतृत्व पर महिला सुरक्षा के मुद्दे पर दोहरा रवैया अपनाने का

आरोप लगाते हुए आरोपी सांसद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन में भाजपा जिला अध्यक्ष सुंदरलाल शाह, प्रदेश मंत्री सीमा जायसवाल और महिला मोर्चा अध्यक्ष ऋचा सिंह, आशा यादव,मधु झा,सरोज सिंह, आशा पांडे,रीता सोनी,ज्योति वर्मा, भावना सिंह ,अनीता पाठक, देवती बंसल, सावसमती, देवमती बंसल ,नीलम तिवारी, कविता नायडू सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे।

चाचा नेहरू पार्क में पसरा अंधेरा, नगर निगम की लापरवाही से बच्चों और बुजुर्गों की शाम हुई बेरंग

सिंगरौली। शहर के लोगों को सुकून के कुछ पल देने वाला चाचा नेहरू पार्क मंगलवार को अंधेरे में डूबा रहा। सुबह से खराब पड़ी लाइटों ने शाम होते ही पार्क की रौनक छीन ली। दिनभर की थकान मिटाने, टहलने और व्यायाम करने पहुंचे महिला,पुरुषों को निराश होकर लौटना पड़ा। बच्चों के लिए भी पार्क की सैर मायूसी में बदल गई। सवाल यह है कि शहर के सार्वजनिक पार्क की बुनियादी व्यवस्था सभालने वाला नगर निगम आखिर अपनी जिम्मेदारी कब निभाएगा शाम के समय पार्क में पहुंचे छोटे-छोटे बच्चे शुरुआत में कुछ देर तक रुके लेकिन अंधेरा बढ़ने के साथ बरसाती कीड़े-मकोड़ों का डर सताने लगा।

ननि आयुक्त ने की नगरीय क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा

मॉडल रोड का निर्माण गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण कराने के लिए निर्देश

सिंगरौली। नगर पालिक निगम आयुक्त सविता प्रधान ने नगर निगम सभागार में बैठक आयोजित कर नगरीय क्षेत्र में संचालित विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं निर्धारित समय-सीमा की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराए जाएं तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। आयुक्त ने राजीव चौक से इंद्रा चौक तक निर्माणाधीन मॉडल रोड के डामरीकरण कार्य की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्य निरंतर जारी रखने



तथा निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्य की नियमित निगरानी करने और गुणवत्ता के निर्धारित मानकों का पालन करने को कहा। साथ ही, वर्षा के कारण नगरीय क्षेत्र के विभिन्न

वाडों में क्षतिग्रस्त सड़कों का सर्वे कराकर शीघ्र मरम्मत कराने तथा सार्वजनिक स्थलों, विद्यालयों एवं अस्पतालों के आसपास की सड़कों को प्राथमिकता से दुरुस्त करने के निर्देश दिए ताकि नागरिकों,

विद्यार्थियों एवं मरीजों को आवागमन में असुविधा न हो। बैठक में आयुक्त ने राजमाता चून् कुमारी स्टेडियम के समतलीकरण एवं ट्रैक निर्माण के लिए आवश्यक प्राक्कलन तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होने त्योहारों के दृष्टिगत नगरीय क्षेत्र में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था बनाए रखने,प्रमुख मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई कराने तथा बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को शीघ्र चालू कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में कार्यपालन यंत्री अरविंद मडराई, उपायुक्त आरपी बैस, सहायक यंत्री प्रवीण गोस्वामी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हर पात्र व्यक्ति को योजनाओं का मिले लाभ : विश्वामित्र

सिंगरौली। विधानसभा क्षेत्र सिहावल में स्वीकृत सभी निर्माण व विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराएं तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता से कराया जाय। हर पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से मिल सके। उक्त आशय के विचार सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक ने देवसर में उपखंड सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान व्यक्त किए। मंगलवार को उपखंड सभागार देवसर में विभागीय

देवसर उपखंड कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित



जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सिहावल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई। बैठक में सभी विभागों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा हुई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा के दौरान बिगड़े हैंडपंपों का सुधार

तत्परता से कराने के लिए कहा गया। नलजल का कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय सीमा में पूरा करे तथा योजना पूरा होने के बाद ही पंचायत को हैंडओवर करें। जल निगम की समीक्षा में पाइप लाइन एवं टंकी निर्माण का कार्य में गुणवत्ता एवं शीघ्रता से कराने के लिए निर्देशित किया गया।

जनपद की समीक्षा में अधिक से अधिक सामूहिक एवं हितग्राहीमूलक कार्यों में पात्र हितग्राहियों का चिन्हकान करने एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के लिए कहा गया। नवीन स्वीकृत, प्रगतिरत एवं पूर्ण कार्यों की जानकारी ली गई। पूर्ण कार्यों का लोकार्पण कराने के लिए कहा गया। लंबे समय से अधूरे पड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराने के लिए कहा गया। सभी अस्पतालों, आंगनवाड़ी केंद्रों में पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था

कराने के लिए कहा गया। पात्र व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनाने तथा योजनाओं का लाभ पात्रतानुसार समय पर दिलाने के लिए कहा गया। विद्युत विभाग की समीक्षा में रात्रि में निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करनेए खराब ट्रांसफार्मर को शीघ्र बदलने के लिए कहा गया। निर्माण एजेंसियों पीडब्ल्यूडी, आरईएस, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क के अधिकारियों को मार्ग निर्माण के कार्य गुणवत्ता पूर्ण ढंग से समय सीमा में पूर्ण कराने एवं पूर्ण कार्यों का लोकार्पण कराने के लिए कहा गया।

मिश्रा पॉलीक्लीनिक में निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर जारी, अब तक 15 मरीजों की सर्जरी

सिंगरौली। जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को बेहतर नेत्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गीतांजली वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित मिश्रा पॉलीक्लीनिक एवं नर्सिंग होम बैडरु में निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर लगातार जारी है। 1 सितंबर से संचालित इस शिविर के अंतर्गत अब तक कुल 15 मोतियाबिंद मरीजों का ऑपरेशन किया जा चुका है। शिविर के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। शिविर में अनुभवी नेत्र



विशेषज्ञ सर्जन डॉ.केएल पाण्डेय एवं डॉ. एसके श्रीवास्तव अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके साथ सहयोगी टीम में शिवेन्द्र नामदेव, शिवम मिश्रा, चंदन एवं संदीप गुप्ता शामिल हैं। चिकित्सकीय टीम द्वारा मरीजों की जांच, उपचार संबंधी प्रक्रिया और ऑपरेशन के दौरान आवश्यक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। शिविर में उपचार कराने के इच्छुक

लोगों से अपील की गई है कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ मिश्रा पॉलीक्लीनिक एवं नर्सिंग होम पहुंचकर शिविर की जानकारी प्राप्त करें। इससे पात्रता संबंधी प्रक्रिया पूरी करने और उपचार की आवश्यक औपचारिकताएं सुनिश्चित करने में सुविधा होगी। मिश्रा पॉलीक्लीनिक एवं नर्सिंग होम के संचालक डॉ.डीके मिश्रा ने बताया कि यह शिविर विश्व हिंदू परिषद द्वारा प्रायोजित है। शिविर 1 सितंबर से लगातार संचालित किया जा रहा है और अब तक 15 मरीजों के मोतियाबिंद ऑपरेशन किए जा चुके हैं।

मॉडल रोड के डामरीकरण कार्य का आयुक्त ने किया निरीक्षण

सड़क की मोटाई एवं निर्माण सामग्री की गुणवत्ता जांचने के लिए निर्देश

सिंगरौली। नगर पालिक निगम आयुक्त सविता प्रधान ने राजीव चौक से इंद्रा चौक तक निर्माणाधीन मॉडल रोड के डामरीकरण कार्य का स्थल निरीक्षण कर निर्माण की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में निर्धारित तकनीकी मापदंडों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। आयुक्त ने सड़क की निर्धारित मोटाई सुनिश्चित करने तथा डामरीकरण में उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की



जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों का पालन किया जाए ताकि सड़क की मजबूती एवं गुणवत्ता बनी रहे। साथ ही, डामर का पर्याप्त भंडारण रखने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य लगातार जारी रहे और सामग्री की कमी के

कारण कार्य प्रभावित न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने तथा गुणवत्ता संबंधी सभी तकनीकी पहलुओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। आयुक्त ने निर्देशित किया कि मॉडल रोड का निर्माण कार्य निर्धारित समय,सीमा में पूर्ण कराया जाए तथा कार्य की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए। मॉडल रोड का निर्माण पूर्ण होने से नागरिकों को सुगम एवं बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। नगर निगम द्वारा विकास कार्यों की सतत निगरानी कर निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री अरविंद मडराई सहित संबंधित तकनीकी अमला उपस्थित रहा।

बैंक प्रबंधकों की सुरक्षा समीक्षा बैठक संपन्न

एसपी ने बैंकिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने दिए निर्देश

सिंगरौली। जिले में संचालित बैंकिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने तथा बैंक कर्मचारियों एवं आम नागरिकों को सुरक्षित बैंकिंग वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक षियाज केएम की अध्यक्षता एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा की उपस्थिति में महत्वपूर्ण सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित 45 बैंकों के बैंक प्रबंधक उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक ने सभी बैंक प्रबंधकों को निर्देशित किया कि बैंक परिसरों के प्रवेश एवं निकास

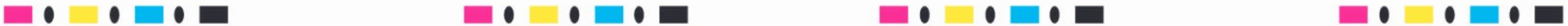


द्वार, नकदी काउंटर, स्टॉक रूम, एटीएम तथा अन्य संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त संख्या में उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से स्थापित किए जाएं। सभी कैमरे निरंतर क्रियाशील रहें, रिकॉर्डिंग का

सुरक्षित बैकअप उपलब्ध हो तथा सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए। पुलिस अधीक्षक ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि बैंकों में नियुक्त सुरक्षा गार्ड अपनी निर्धारित ड्यूटी के दौरान पूर्ण सतर्कता एवं

अनुशासन बनाए रखें। बैंक परिसर में आने-जाने वाले व्यक्तियों की गतिविधियों पर निगरानी रखें तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या असामान्य गतिविधि की तत्काल सूचना बैंक प्रबंधन एवं पुलिस को दें। सुरक्षा गार्डों से रजिस्टर संधारण, दस्तावेज भरवाने, ग्राहकों के बैंकिंग कार्य अथवा अन्य लिपिकीय कार्य नहीं कराए जाएं। पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि सभी बैंकों में स्थापित सुरक्षा अलार्म की कार्यशीलता परखने के लिए पुलिस एवं बैंक प्रबंधन के समन्वय से समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। इस दौरान अलार्म सक्रिय

होने से लेकर संबंधित पुलिस टीम के मौके पर पहुंचने तक लगाने वाले समय अर्थात रिस्पांस टाइम की जांच की जाएगी, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया एवं सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता का आकलन किया जा सके। बैठक में बैंक अधिकारियों को संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के प्रति सतर्क रहने, ग्राहकों को साइबर धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, ओटीपी एवं बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने के प्रति जागरूक करने तथा साइबर अपराध की तत्काल सूचना हेल्पलाइन 1930 पर देने के निर्देश दिए गए।



समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने की विभागीय कार्यों की व्यापक समीक्षा, सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी के लंबित प्रकरणों पर सख्त निर्देश

पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा।

पटाखों की दुकानों के आसपास सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम करने, निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा आगजनी को रोकने के लिए घटनाओं को रोकने के लिए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय सहित अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में आग से जलने के मामलों एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं, संसाधन और व्यवस्थाएं तैयार रखने को कहा, ताकि ज़रूरत पड़ने पर नागरिकों को तत्काल उपचार मिल सके।

कलेक्टर ने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित सेवा संकल्प अभियान की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने



अधिनियम के अंतर्गत लंबित सेवाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने पात्र आवेदकों को निर्धारित समय-सीमा में सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही शिकायतों एवं आवेदनों के निराकरण के लगभग एक माह बाद फॉलोअप कैप आयोजित कर हितग्राहियों को की गई कार्रवाई और प्रकरणों की स्थिति से अवगत कराने को कहा। इससे निराकरण की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त होगी और नागरिकों का शासकीय सेवाओं के प्रति विश्वास मजबूत होगा।

क्लेक्टर ने न्यायालयों में लंबित दावा-आपत्तियों एवं अवमानना संबंधी प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि न्यायालयीन प्रकरणों में समय पर कार्रवाई करना आवश्यक है। संबंधित अधिकारी प्रकरणों की नियमित निगरानी करें और जवाब प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न होने दें। साथ ही संबंधित कार्यालयों को

भी प्रकरणों की स्थिति एवं की गई कार्रवाई से अवगत कराया जाए।

कलेक्टर ने जिले में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि पर्यटन स्थलों की संभावनाओं का बेहतर उपयोग स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति दे सकता है। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे और छोटे व्यवसायों, स्थानीय उत्पादों तथा सेवा गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने संबंधित विभागों को पर्यटन विकास की दिशा में समन्वित प्रयास करने तथा स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए।

वित्तीय वर्ष की पहली छमाही पूर्ण होने के मद्देनजर कलेक्टर ने सभी विभागों को राजस्व वसूली की नियमित समीक्षा कर निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रभावित प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व संग्रहण में प्रगति लाने के लिए विभागीय स्तर पर कार्ययोजना बनाकर उसके अनुरूप कार्रवाई की जाए।



सीधी। आपदा प्रबंधन दिवस 2026 के अवसर पर सीधी होमगार्ड परिसर में आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से बचाव, आपातकालीन परिस्थितियों में सतर्कता तथा रहत एवं बचाव कार्यों के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का

आयोजन माय भारत (मेरा युवा
भारत) की जिला युवा अधिकारी
गरिमा जैन के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन
में किया गया। इस दौरान उपस्थित
लोगों को विभिन्न प्रकार की
आपदाओं से बचाव के उपायों के
बारे में विस्तार से बताया गया।
साथ ही आपातकालीन
परिस्थितियों में किए जाने वाली
राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन

सीधी। आत्मनिर्भर बनने का संकल्प और मेहनत करने का जज्बा हो तो सीमित संसाधनों के बावजूद सफलता की राह बनाई जा सकती है। सीधी नगर पालिका परिषद के वार्ड क्रमांक 20 निवासी छथर विश्वकर्मा ने अपने परिश्रम और स्वरोजगार के प्रयासों से इसे साकार किया है। कभी दूसरे की दुकान पर काम करने वाले छथर आज स्वयं के व्यवसाय के माध्यम से न केवल अपनी आजीविका चला रहे हैं, बल्कि चार अन्य लोगों को भी

रोजगार उपलब्ध कर रहे हैं। छत्रपति विश्वकर्मा पहले दूसरे की दुकान पर काम करते थे। स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने की इच्छा से उन्होंने उद्योग विभाग सीधी से प्रधानमंत्री को प्रार्थना सृजन योजना की जानकारी दी। इसके बाद बैंक के माध्यम से उन्हें 10 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। इस सहायता से उन्होंने पड़ैनिया स्थित सीधी-सिंगरौली रोड पर 'अमित एन्यूमीनियम एवं ग्लास हाउस' नाम से अपना व्यवसाय शुरू किया।

सीधी। शासन की मंशानुसार मेला शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी परिसर में आयोजित होगा।
17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 मेले का समय प्रातः 11 बजे से रात 5 बजे तक निर्धारित किया जाएगा।

आजम्यान के अंतर्गत जिले के स्वरोजगार युवक-युवतियों को प्रेरणाएँ एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 16 अक्टूबर 2026 को एक दिवसीय युव्या संगम संयुक्त रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा।

जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर विकास मिश्रा के आदेशनुसार जिला रोजगार कार्यालय, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) बारा जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र सीपीडी के संयुक्त तत्वावधान में यह

मैला शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी परिसर में आयोजित होगा। मेले का समय प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है। मेले में देश, प्रदेश एवं स्थानीय स्तर की निजी क्षेत्र कंपनियां शामिल होंगी। इसके साथ ही स्वरोजगार से संबंधित विभिन्न शासकीय विभागों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे। इनके माध्यम से युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार एवं प्रेंटिसशिप के अवसरों की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इस आयोजन का उद्देश्य जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसरों से जोड़ना तथा उन्हें स्वरोजगार के लिए उपलब्ध योजनाओं एवं संभावनाओं से परिचित कराना है।

सीधी। सीधी जिले के एकलव्य पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, हड़बड़ा के प्रतिभावान छात्र- छात्राओं ने कराते खेल में शानदार प्रदर्शन करते हुए संभाग में अपनी जगह बनायी है। कार्तिक पाण्डेय, दिव्यराज सिंह, निशा तिथारी एवं रावी सिंह ने कराते में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुये एक बार फिर स्कूल और पूरे जिले का नाम रोशन किया है। 70वाँ शालेय क्रोडा प्रतियोगिता के अंतर्गत बीते 4 अक्टूबर 2026 को सीधी में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विजालय के छात्र

छात्राओं ने भाग लिया था एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अपने शानदार खेल कौशल को बढौलत तीनों छात्रों का चयन सीधे संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। जहाँ दिनांक 13 अक्टूबर को ये रीवा में अपनी खेल कौशल से राज्य स्तर पर चयनित होने की दावेदारी करेंगे। यह स्कूल न केवल पढ़ाई बल्कि अन्य रचनात्मक गतिविधियों में हमेशा जिले में प्रथम स्थान पर रहता है। सांस्कृतिक, बॉक्सिंग, कुस्ती, वॉलीबॉल, खो खो, क्रिकेट, वुशु, कबड्डी, बास्केटबॉल जैसी स्पर्धाओं

में भी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करता आ रहा है। इसी कड़ी में अन्तर् विद्यालय की सभी टीम ने अपनी मजबूत दावेदारी से सबको प्रभावित किया है। संभाग स्तर पर चयन होने से एकलव्य स्कूल हड़बड़को खेल शिक्षक और वि.सिंह, रजनीश पाण्डेय, सौरभ केवट आदि उनके माता पिता तथा समस्त स्टाफ में भारी हर्ष का माहौल है। विद्यालय प्रबंधन ने सभी खिलाड़ियों को बढ़ाई देते हुए कहा कि इन बच्चों ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन की बदौलत यह मुकाम हासिल किया है।

कार्यालय कलेक्टर जिला सीधी एवं पदेन अपर सचिव म. प्र. शासन राजस्व विभाग

दिनांक: 1088 /पू-अर्जन/2026

सीधी, दिनांक-

06/10/26

अधिसूचना

जुक्ति, राज्य शासन की यह प्रतीत होती है कि, इस संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (5) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (5) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है। अतः भूमि अर्जन पुनर्वास और पुनर्वास्यमान में उचित प्रतिफल और पारदर्शिता का अधिकार, अधिनियम, 2013 की धारा- 11 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि कोई भी व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से इस अधिनियम के अधीन कार्यवाहियों के पूरा हो जाने तक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई भी संयोजन नहीं करेगा, वा कोई संयोजन नहीं करेगा अथवा ऐसी भूमि पर कोई विनियमन लागू नहीं करेगा। राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची के खाने (4) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा- 12 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है।

यह परियोजना आम जनता के व्यापक एवं दूरगामी हितों से सम्बद्ध है तथा यह कार्य सीतापुर-हुनुमना मुख्य दबाब सिंचाई परियोजना निर्माण कार्य का भाग है जो मध्य प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2024-25 में स्वीकृत हुई है तथा लोकहित संबंधी होने के कारण मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग, मंत्रालय, वल्लभ भवन, बी.पी.ए. 16-15-(1)-2014-सात-आ, 2ए, दिनांक 29 सितम्बर 2014 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये मैं विकास मिश्रा, जिला- सीधी एवं विहित प्राधिकारी, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के संशोधित अध्यादेश क्रमांक 9/2014 के बिन्दु 10-ए अनुसार लोकहित को दृष्टिगत रखते हुये प्रस्तावित योजना के विनिर्माण लेब को अधिनियम के अध्याय 2(अ) की धारा 4 में वर्णित सामाजिक समताय निर्धारण एवं अन्य उपबन्धों से छूट प्रदान करता हूँ।

//अनुसूची//

(क) जिला	- सीधी
(ख) तहसील	- गोपद बनास
(ग) ग्राम	- कडौला
(घ) पटवारी हलका नम्बर व नाम	- 05 बरिगवा
(ङ) निजी भूमि का अर्जित क्षेत्रफल	- एकबा 2.503 है.

म.क्र.	खसरा नं.	कुल एकबा (है. में)	अर्जन हेतु प्रस्तावित एकबा (है. में)	धारा-12 के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1	2	3	4	5	6
1	333	0.0700	0.0220	कार्यपालन समी, मईगरी मुख्य दबाब सिंचाई परियोजना संभाग, रीवा (म.प्र.)	सीतापुर-हुनुमना मुख्य दबाब सिंचाई परियोजना
2	336/1	0.3700	0.1060		
3	336/2	0.3800			
4	336/3/1	0.2800			
5	336/3/2	0.0300			
6	336/3/3	0.0300			
7	336/3/4	0.0300			
8	337/1	0.4200	0.0880		
9	337/2	0.4200	0.3150		
10	337/3/1/1	0.0200	0.0200		
11	337/3/1/2	0.0200	0.0200		
12	337/3/1/3/1	0.0080	0.0080		
13	337/3/1/3/2	0.0280	0.0280		
14	337/3/1/3/3	0.0120	0.0120		
15	337/3/1/3/4	0.0080	0.0080		
16	337/3/1/3/5	0.0260	0.0260		
17	337/3/1/3/6	0.0200	0.0200		
18	337/3/1/3/7	0.0120	0.0120		
19	337/3/1/3/8	0.0200	0.0200		
20	337/3/1/3/9	0.0200	0.0200		
21	337/3/1/3/10	0.0200	0.0200		
22	337/3/1/3/11	0.0200	0.0200		
23	337/3/1/3/12	0.0100	0.0100		
24	337/3/1/3/13	0.0200	0.0200		
25	337/3/1/3/14	0.0200	0.0200		
26	337/3/1/3/15	0.0040	0.0040		
27	337/3/1/3/16	0.0040	0.0040		
28	337/3/1/3/17	0.0120	0.0120		
29	337/3/1/3/18	0.0080	0.0080		
30	337/3/1/3/19	0.0080	0.0080		
31	337/3/1/3/20	0.0100	0.0100		
32	337/3/1/3/21	0.0080	0.0080		
33	337/3/1/3/22	0.0080	0.0080		
34	337/3/1/3/23	0.0080	0.0080		
35	337/3/1/3/24	0.0080	0.0080		
36	337/3/1/3/25	0.0080	0.0080		
37	337/3/2	0.0300	0.0300		
38	337/3/3	0.0300	0.0300		
39	339	0.7100	0.4630		
40	341	0.2900	0.2750		
41	342/1/1/2	1.9000	0.0080		
42	342/1/2/1/2	2.4565	0.0100		
43	342/1/2/2	0.0300	0.0010		
44	342/2	1.7560	0.0070		
45	385/1	1.3500	0.0790		
46	385/2/1	1.2690			
47	385/2/2/1	0.0400			
48	385/2/2/2	0.0410			
49	416/1/1	0.6220	0.0360		
50	416/1/2/1/1	0.1100			
51	416/1/2/1/2	0.0300			
52	416/1/2/1/3	0.0300			
53	416/1/2/1/4	0.0300			
54	416/1/2/2	0.2000			
55	416/2	0.7780			
56	416/3	1.5000			
57	417	1.6400	0.5500		
58	436	0.5600	0.1130		
निजी पट्टे की भूमि का योग (है.)			2.5030		

भूमि का नक्शा (प्लान) उपखण्ड अधिकारी, गोपद बनास, जिला सीधी के कार्यालय में किया जा सकता है।

(विकास मिश्रा)
कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव
म.प्र. शासन राजस्व विभाग
जिला-सीधी (म.प्र.)

जी-19976/26

सीधी। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सीधी में टेनो चोलेज मॉडल प्रदर्शनी एवं करियर काउंसिलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विभिन्न तकनीकी मॉडलों, परियोजनाओं और नवाचारों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता, तकनीकी दक्षता एवं समस्या समाधान की क्षमता का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा, विद्युत, स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, जल संरक्षण, कृषि, यातायात एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी समस्याओं के व्यावहारिक तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करना था। प्रदर्शनी में स्मार्ट

एप्लीकल्टर, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, मोबाइल एप्लीकेशन, शैक्षणिक गणित एवं सुधार तथा वेस्ट का आर्ट जैसे विषयों पर आधारित मॉडल एवं परियोजनाएँ प्रस्तुत की गईं। विद्यार्थियों के नवगर्भाएँ न केवल के माध्यम से स्थानीय समस्याओं के समाधान में संभावनाओं को रेखांकित किया कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को रोजगार अवसरों, स्वरोजगार, कौशल विकास और उद्यमिता से संबंधित अवसरों को जानकारी दी। उद्योग विभाग के प्रतिनिधियों ने स्थानीय उद्योगों की संभावनाओं तथा स्वयं के उद्यम स्थापित करने के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया।

सीधी। जगनगणा 2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों के अंतर्गत कलेक्ट्रेट सभागार, सीधी में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण मंगलवार को संपन्न हुआ। अपर कलेक्टर एवं जिला जगनगणा अधिकारी बी.पी. पांडेय के निदेशन में आयोजित इस प्रशिक्षण में जगनगणा कार्य के व्यवस्थित, पारदर्शी एवं समयबद्ध संचालन के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं और व्यवस्थाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में जगनगणा कार्य निदेशालय, भोपाल से आए जिला प्रभारी सुमित मौर्य एवं प्रशिक्षक वैभव अग्रवाल ने अधिकारियों को जगनगणा के द्वितीय चरण की कार्ययोजना, गणना ब्लॉकों के गठन, कर्मचारियों की नियुक्ति तथा दायित्वों के आवंटन के संबंध में प्रशिक्षण दिया। साथ ही कार्य के समान वितरण सुनिश्चित करने अतिरिक्त कार्मिकों की आवश्यकता का आकलन करने तथा उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से समझाया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि जगनगणा 2027 में स्व-गणना का विकल्प उपलब्ध रहेगा। इसके माध्यम से परिवार के सदस्य निर्धारित पोर्टल पर स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त प्रमाणित घर-घर जाकर मोबाइल ऐप के माध्यम से निर्धारित जानकारी एकत्र करेंगे। प्रशिक्षण में डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग तथा जगनगणा कार्य को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक तैयारियों पर भी चर्चा की गई।

संपादकीय

युद्ध के दौर में शांति का संदेश

युद्ध और टूटते अंतरराष्ट्रीय नियमों के दौर में नवनेथम नवी पिछई को 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार मिलना वैश्विक शांति, मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय कानून की जीत का प्रतीक है। इस दौर में दुनिया का एक बड़ा हिस्सा युद्ध की त्रासदी से जूझ रहा है, मानवता के सामने व्यापक संकट खड़ा हो रहा है, तो ऐसी स्थिति में सबसे ज्यादा जरूरत शांति की ही महसूस हो रही है। मगर युद्ध में शामिल पक्षों को न तो मानवता का प्रश्न महत्वपूर्ण लगता है, न ही वे अंतरराष्ट्रीय कानून का खयाल रखना जरूरी समझते हैं।छद्म शांति संवेदनाओं और उपेक्षित कायदों के इसी दौर में नवनेथम नवी पिछई को 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया जाना बेहद अहम है। उन्हें अंतरराष्ट्रीय जगत का यह सर्वश्रेष्ठ माना जाने वाला सम्मान इसीलिए दिया गया है कि उन्होंने दुनिया भर में शांति और अंतरराष्ट्रीय कानूनों को बढ़ावा देने के प्रयासों में अहम भूमिका निभाई है।दरअसल, नवी पिछई का जीवन और उनके प्रयास वैश्विक शांति तथा सद्भाव के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए बनाए गए कानूनों की अहमियत को दर्शाते हैं। उनके सरोकार की जड़ें उनकी जीवन-स्थितियों से भी जुड़ी हैं।उनका भारत से भी इस रूप में ऐतिहासिक और सांस्कृतिक नाता है कि उनके दादा 1890 के दशक में ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में भारत से बंधुआ मजदूर के रूप में दक्षिण अफ्रीका चले गए थे। उनका जन्म रंगभेद के दौर में दक्षिण अफ्रीका के डरबन में भारतीय तमिल मूल के एक परिवार में हुआ था। बाद में वे एक वकील बनीं और कानून के क्षेत्र में उन्हें नई राह खोलने वाली शख्सियत माना गया।मगर इस बीच उन्होंने गहरे संस्थागत भेदभाव, अलगाववाद और बहिष्कार का भी सामना किया। जाहिर है, इस सबका असर उनके समूचे व्यक्तित्व और सोचने-समझने के ढांचे पर पड़ा। इसी का प्रतिबिंब इस रूप में सामने आया कि पिछई ने दुनिया भर में शांति और सद्भाव के मूल्यों का विस्तार करना और समूची मानवता के हित में अंतरराष्ट्रीय कानूनों को बढ़ावा देना अपने जीवन का एक हिस्सा बना लिया।नोबेल शांति पुरस्कार उनके प्रयासों की स्वीकार्यता है और इस तरह दुनिया भर को यह संदेश देने की कोशिश भी कि कुछ देश भले ही विवादों के हल के लिए युद्ध को जरूरी मानते हैं और इसके लिए वे अंतरराष्ट्रीय कानूनों को भी ताक पर रखने से नहीं हिचकते, लेकिन आखिरकार वे थकेंगे और उन्हें शांति की शरण में आना होगा।

(महेन्द्र तिवारी)

नाना पाटेकर का जन्म महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के मुरुड जंजीरा में हुआ था। उनका बचपन बेहद संघर्षपूर्ण और अभावों में बीता था। उन्होंने अपने जीवन के शुरुआती दिनों में ही जीवन की कठोर वास्तविकाओं का सामना किया। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उन्होंने छोटी उम्र में ही काम करना शुरू कर दिया था।

भारतीय कला जगत ने 8 अक्टूबर 2026 को अपना एक ऐसा अनमोल रत्न खो दिया जिसकी भरपाई करना शायद आने वाले कई दशकों तक संभव नहीं होगा। प्रख्यात अभिनेता नाना पाटेकर का 75 वर्ष की आयु में अचानक हृदय गति रुकने से निधन हो गया। यह दुःखद समाचार दावानल की तरह पूरे देश में फैल गया और हर कोई स्तब्ध रह गया। नाना केवल एक साधारण अभिनेता नहीं थे, बल्कि वे एक ऐसी बुलंद आवाज थे जो पदों पर आम इंसान की पीड़ा, उसके क्रोध और उसकी लाचारी को बेहद जीवंत रूप में प्रस्तुत करते थे। उनका जाना केवल कला जगत की ही क्षति नहीं है, बल्कि समाज के उस शोषित और वंचित वर्ग की भी बहुत बड़ी क्षति है, जिसके लिए वे हमेशा एक मसीहा बनकर खड़े रहे। उनके निधन से कला, संस्कृति और समाज सेवा के क्षेत्र में जो गहरा सन्नाटा पसरा है, उसे शब्दों में बांधना बेहद कठिन है।

नाना पाटेकर का जन्म महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के मुरुड जंजीरा में हुआ था। उनका बचपन बेहद संघर्षपूर्ण और अभावों में बीता था। उन्होंने अपने जीवन के शुरुआती दिनों में ही जीवन की कठोर वास्तविकाओं का सामना किया। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उन्होंने छोटी उम्र में ही काम करना शुरू कर दिया था। एक समय ऐसा भी था जब वे सड़कों पर पैदल यात्रियों के सड़क पार करने के लिए संफेद पट्टियां रंगने का काम करते थे और उसी से अपनी आजीविका चलाते थे। यह उनके जीवट और अथक परिश्रम का ही परिणाम था कि उन्होंने कभी परिस्थितियों के सामने घुटने नहीं टेके। इस कठोर संघर्ष ने उन्हें जीवन की उन गहराइयों से परिचित कराया, जो बाद में उनके अभिनय में स्पष्ट रूप से दिखाई देती थीं। उनके भीतर का कलाकार इसी भट्टी में तपकर कुंदन बना था। नाटकों और रंगमंच के प्रति उनका आकर्षण उन्हें धीरे-धीरे अभिनय की दुनिया की ओर

ले गया, जहां उन्होंने अपनी एक अलग और अमिट पहचान बनाई।

रंगमंच से अपने अभिनय की शुरुआत करने वाले नाना पाटेकर ने जब रूपहले पदों पर कदम रखा, तो उन्होंने नायक की उस पारंपरिक छवि को पूरी तरह से तोड़ दिया जो उस समय तक सिनेमा में स्थापित थी। उनकी आंखें बोलती थीं और उनकी आवाज में वह कशिश थी जो दर्शकों को अंत तक बांधे रखती थी। उनका संवाद अदायगी का तरीका इतना स्वाभाविक और तेज होता था कि सामने बैठे दर्शक खुद को उस दृश्य का हिस्सा समझने लगता था। उन्होंने क्रांतिवीर, परिदा, तिरंगा, खामोशी, प्रहार और नटसम्राट जैसी तमाम बेहतरीन रचनाओं में अपने अभिनय का जो उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, वह अभिनय की पाठशाला में हमेशा एक मानक के रूप में पढ़ाया जाएगा। चाहे वह एक भ्रष्ट व्यवस्था से लड़ने वाला आम नागरिक हो, एक सख्त सैन्य अधिकारी हो या फिर एक गुंगे बहरे दंपति का संवेदनशील पिता, हर भूमिका में उन्होंने अपने प्राण फूंक दिए। उनके द्वारा बोले गए संवाद आज भी लोगों की जुबान पर हैं और वे मात्र संवाद न होकर समाज की कुरीतियों पर एक गहरा कटाक्ष प्रतीत होते हैं।

नाना पाटेकर की एक और बहुत बड़ी विशेषता यह थी कि वे अपनी मातृभाषा मराठी और हिंदी, दोनों ही भाषाओं पर समान अधिकार रखते थे। उन्होंने जितनी सफलता हिंदी सिनेमा में प्राप्त की, उतनी ही ऊंचाई उन्होंने मराठी सिनेमा और रंगमंच में भी हासिल की। उनकी वाणी में एक विशेष प्रकार का ओज था। जब वे अपने संवाद बोलते थे, तो शब्दों के आरोह और अवरोह पर उनका नियंत्रण अद्भुत होता था। उन्होंने कभी भी किसी विदेशी भाषा या पाश्चात्य संस्कृति को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। वे अपनी जड़ों से जुड़े रहे और अपनी भारतीय संस्कृति पर हमेशा गर्व करते रहे। उनकी वेशभूषा, उनके विचार और उनका रहन सहन सब

कुछ पूरी तरह से भारतीय था। चकाचौंध के इस दौर में भी उन्होंने अपनी भारतीयता को कभी नहीं छोड़ा। अभिनय की दुनिया में सर्वोच्च शिखर पर पहुंचने के बावजूद नाना पाटेकर ने कभी दिखावे की दुनिया को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने हमेशा एक बेहद सादा और संयमित जीवन व्यतीत किया। जब अन्य कलाकार विलासिता पूर्ण जीवन जी रहे थे, तब नाना अपने गांव में खेती कर रहे थे और एक साधारण इंसान की तरह जीवन बिता रहे थे। उनका यही गुण उन्हें अन्य सभी कलाकारों से अलग और श्रेष्ठ बनाता था। वे हमेशा अपनी जड़ों से जुड़े रहे और उन्होंने कभी अपने अतीत को नहीं भुलाया। यह उनकी महानता ही थी कि उन्होंने अपनी कमाई का एक बहुत बड़ा हिस्सा समाज की भलाई के लिए दान कर दिया।

विशेषकर महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में किसानों की आत्महत्या की घटनाओं ने उनके हृदय को गहरे तक छेड़छाड़ दिया था। किसानों की पीड़ा को उन्होंने अपना दर्द समझा और उनकी सहायता के लिए एक संस्था का निर्माण किया। इस संस्था के माध्यम से उन्होंने हजारों अनाथ बच्चों, विधवाओं और कर्ज में डूबे किसानों के परिवारों को आर्थिक और मानसिक संबल प्रदान किया। उन्होंने गांव गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए जमीनी स्तर पर कार्य किया। उनके इस निस्वार्थ सेवा भाव ने उन्हें जनता के बीच एक भगवान के समान दर्जा दिला दिया था। लोग उन्हें केवल एक कलाकार के रूप में नहीं बल्कि अपने परिवार के एक बड़े बुजुर्ग के रूप में देखते थे जो संकट के समय हमेशा उनके साथ खड़ा रहता था। वर्तमान समय में जहां युवा पीढ़ी बहुत जल्दी मानसिक तनाव का शिकार हो जाती है, नाना पाटेकर का जीवन उनके लिए एक खुला मार्गदर्शन है। उनका जीवन सिखाता है कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मनुष्य के भीतर इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प है, तो वह किसी भी बाधा को पार



क्यों कहा जाता है मां दुर्गा को ‘शेरावाली माता’ पौराणिक कथाओं के पीछे छुपा है बड़ा रहस्य

(संविदा तिवारी)

माता दुर्गा के अनगिनत स्वरूप हैं जिनकी पूजा से भक्तों को कई लाभ होते हैं। मुख्य रूप से नवरात्र के दौरान माता का पूजन विधि-विधान के साथ किया जाता है। लोग माता को अलग-अलग नामों से बुलाते हैं और उनकी भक्ति में डूब जाते हैं। इन्हीं में से एक नाम है शेरावाली माता। माता का स्वरूप जैसे ही सामने आता है मां शेर पर सवार नजर आती हैं। ऐसा माना जाता है कि जब भी धरती पर अधर्म बढ़ता है तब शक्ति स्वयं प्रकट होती हैं। ऐसे ही जब शक्ति माता दुर्गा के रूप में अवतरित हुईं तब उनके साथ जो तत्व था वो उनका शेर ही था।माता का वाहन शेर होने के पीछे एक अद्भुत कथा है जो आपको यह भी बताती है कि माता दुर्गा को शेरावाली माता क्यों कहा जाता है।

माता दुर्गा का नाम क्यों पड़ा शेरावाली माता? – मां दुर्गा का वाहन शेर केवल उनकी सवारी ही नहीं, बल्कि शक्ति, साहस और निर्भयता का प्रतीक भी है। माता दुर्गा के सिंह पर सवार स्वरूप को देखकर भक्त उन्हें प्रेम से शेरावाली माता कहते हैं। शेर को जंगल का राजा कहा जाता है और वह अहंकार, शक्ति और दंभ का प्रतीक होता है। इसी वजह से माता दुर्गा का शेर पर सवार होना यह दिखाता है कि शक्ति वही श्रेष्ठ है जो अहंकार पर नियंत्रण पाए और जिससे भय का नाश हो सके।

माता दुर्गा का वाहन शेर कैसे बना? – प्राचीन काल में महिषासुर नामक असुर ने कठोर तपस्या कर ब्रह्मा जी से खरदान प्राप्त किया कि उसे कोई पुरुष, देवता या मानव मार नहीं सकता। इस वरदान के बल पर उसने तीनों लोकों में आतंक मचा दिया। देवता



पराजित हो गए। स्वर्ग छीन गया और पृथ्वी भय से कांपने लगी। तब सभी देवता एकत्र होकर त्रिदेव, ब्रह्मा, विष्णु और महेश के पास

पहुंचे। देवताओं के तेज से एक दिव्य शक्ति प्रकट हुई। वह शक्ति थी माता दुर्गा। जब माता दुर्गा प्रकट हुईं उसी समय धरती कांप उठी। वनों से एक भयंकर किंतु तेजस्वी शेर गर्जना करता हुआ आया। देवताओं ने उस शेर को माता के चरणों में अर्पित किया। माता मुस्कुराईं और शेर उनके चरणों में नतमस्तक हो गया। तभी से शेर माता दुर्गा का वाहन बन गया।

भगवान शिव और माता पार्वती की कथा – पौराणिक कथाओं के अनुसार सदियों पहले एक बार जब भगवान शिव को अपने पति के रूप में पाने के लिए माता पार्वती ने कई सालों तक तपस्या की तब उस तपस्या का तेज इतना ज्यादा था कि मां पार्वती का गौर वर्ण सांवला पड़ गया था। बाद में माता की तपस्या सफल हुई भगवान शिव ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया। विवाह के बाद एक दिन माता पार्वती भगवान शिव के साथ कैलाश पर बैठी थीं और उसी समय शिव जी ने हंसते हुए माता को काली नाम से पुकारा। तब माता कैलाश पर्वत छोड़कर वापस वन में अपने गौरे रंग को पाने के लिए तपस्या में लीन हो गईं। उसी समय एक शेर माता के पास आया और उन्हें तपस्या में लीन देखकर वहीं बैठ गया। कई साल माता तपस्या में लीन रहीं और शेर वहीं बैठा रहा। जब माता तपस्या से बाहर आईं उस समय माता ने प्रसन्न होकर शेर को अपनी सवारी के रूप में स्वीकार कर लिया। शेर पर सवार होने के कारण माता दुर्गा का नाम शेरा वाली माता पड़ा। माता के अलग नामों की अपनी कुछ कथाएं हैं, लेकिन भक्त उन्हें माता दुर्गा के रूप में पूजते हैं और अलग स्वरूपों में भी उनकी भक्ति करते हैं। इस लेख में बताए गए उपाय/लाभ/सलाह और कथन केवल सामान्य सूचना के लिए हैं।

यकीं झूठ पर ही होता है

(अक्षय शुक्ला)

पहले खबरों को हम तक पहुंचने में वक़्त लगता था, पर उनकी प्रामाणिकता पर कोई संदेह नहीं होता था। आज अनेक स्रोतों से हर तरह की खबर हमें तुरंत मिल रही है लेकिन वह सही है या नहीं, कहना मुश्किल है। खासकर सोशल मीडिया, जहां फर्जी खबरों की भरमार है। और अब एआई डीपफेक वीडियो तो फेक न्यूज़ से भी बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं। जंतर मंतर पर एसआईआर पर विरोध के समय दिल्ली के एसीपी के वायरल विडियो को ही देख लें, जिसमें उन्हें महिला प्रदर्शनकारियों से अप्रदत्त करते दिखाया गया था। पलवल से एक युवक की गिरफ्तारी के बाद पता चला कि वह विडियो फर्जी था, जो एआई टूल्स से तैयार किया था ताकि पुलिस की छवि खराब कर लोगों को उकसाया जा सके। लेकिन इसकी सत्यता की पुष्टि से पहले ही नेताओं से लेकर तमाम एक्टिविस्ट ने सरकार से सवाल कर पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर डाली। यही नहीं, विदेशी मीडिया ने भी विडियो के आधार पर ही खबर बना दी- भारतीय पुलिस पर छेड़छाड़ के आरोप।

एआई डीपफेक के इस दौर में किसी भी तस्वीर या विडियो पर तुरंत रिएक्ट कर देना किन्तान खतरनाक है, यह उसका ताज़ा उदाहरण है। सोशल मीडिया पर इस तरह के फेक विडियो की बाढ़ है। ऐसे में किसी भी भड़काऊ खबर या तस्वीर पर इतनी आसानी से विश्वास कैसे किया जा सकता

है। थोड़ा सब्र तो रखें, सच सामने आने का इंतज़ार करें कि जो दिखाया जा रहा है, वाकई ऐसा हुआ भी है या नहीं।

समाज, सुरक्षा और व्यक्तिगत अधिकारों के लिए डीप फेक बड़ी चुनौती बन चुका है। ऐसी सामग्री हर छह महीने में दोगुनी हो रही है। इनमें बच्चों के यौन शोषण वाले विडियो सबसे अधिक हैं। इनके बाद सिलेब्रिटीज़ निशाने पर हैं। हाल ही में एक्टर जाह्नवी कपूर और जुनियर एनटीआर के एक गाने की अश्लील बनाकर वायरल करने पर काफी विवाद हुआ। जाह्नवी ने तकनीक के ऐसे गलत इस्तेमाल को यौन उत्पीड़न के बराबर बताते हुए कहा कि बिना मर्जी के किसी भी महिला को इस तरह दिखाना उसकी गरिमा का गंभीर उल्लंघन है। बिल्कुल सही, यही बात एसीपी के फेक विडियो के मामले में भी लागू होती है। जिस तरह से सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ दुष्चार हुआ, उनकी छवि धूमिल करने की कोशिश हुई, उससे उनके घरवालों पर क्या बीती होगी। सामने वाले की इमेज एक बार बिगड़ती है, फिर वह लाख सफाई देने पर भी नहीं सुधर पाती। जब आरोप लगते हैं, तब तो प्रमुखता से मुद्दा उठता है, लेकिन जब खबर गलत निकलती है तो कहीं छोटी सी जगह मिलती है, जिस पर किसी का ध्यान भी नहीं जाता। शायद इसी पर किसी ने कहा है- यकीं तो सबको झूठ पर ही होता है, सच तो अक्सर साबित करना पड़ता है।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

आज का राशिफल



मेघ

आज साझेदारी के काम में तनाव रहेगी। आर्थिक स्थिति, आपको अपने खर्च पर कंट्रोल करने की जरूरत है। तालच में आकर निवेश करने से बचे, लाभ की बजाय नुकसान हो सकता है। साझेदारी के काम में तनाव हो सकता है। पारिवारिक जीवन में संयम से काम लेना होगा।



मिथुन

आज आर्थिक योजना में सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में लाभ का संयोग बनेगा। नौकरी में कुछ नई जिम्मेदारी मिल सकती है। कारोबार में लाभ मिलेगा। कोई आर्थिक योजना सफल होगी। पारिवारिक जीवन में आपकी महत्व दिया जाएगा।



सिंह

आज कारोबार में फायदा होगा। आर्थिक स्थिति,मैनेजमेंट स्किल का लाभ मिलेगा। कारोबार में फायदा होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा और दान धर्म में धन खर्च हो सकता है। बिजनेस में लाभ मिलेगा। मानसिक कष्ट हो सकता है। प्रेमी की मदद करनी होगी।



वृष

आज शुभ कार्य का संयोग बन सकता है। आर्थिक स्थिति, दिन का दूसरा भाग लाभ दिलाएगा। बिजनेस में लाभ पाएंगे। साझेदारी में फायदा होगा। नौकरी में सहकर्मियों से सहयोग पाएंगे। पारिवारिक जीवन, आपको परिवार के सदस्यों से सहयोग मिलेगा। शाम से रात तक का समय मनोरंजक बीतेगा। परिवार में शुभ कार्य का संयोग बन सकता है।



कर्क

आज मेहनत की सराहना होगी। आर्थिक स्थिति, रुके हुए कार्यों को आगे बढ़ाने में सफलता मिलेगी। विदेशी क्षेत्र से लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी। व्यापार में विस्तार होगा। आर्थिक लाभ भी पाएंगे। सतान पक्ष से खुशी मिलेगी। मनोरंजक समय बीतेगा।



कन्या

आज कोई बड़ी डील मिल सकती है। आर्थिक स्थिति, कारोबार में लाभ मिलेगा। व्यापार में कोई बड़ी डील मिल सकती है। आपको कुछ अधूरे काम को निपटाना होगा। अधिकारियों से सपोर्ट मिलेगा। जीवनसाथी के मन में कुछ ऐसा चल रहा होगा जिससे परेशानी होगा। विचारों में स्पष्टता लाने की जरूरत है।



तुला

आज परिवार में सुख शांति का माहौल रहेगा। आर्थिक स्थिति, आपको अपनी कमाई और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। कारोबार में लाभ मिलेगा। घर की साज सज्जा पर को लेकर भी आपको खर्च करना पड़ सकता है। सामाजिक गतिविधियों में विस्तार होगा।



धनु

आज परिवार में धर्म कर्म का माहौल बनेगा आर्थिक रूप से लाभ प्राप्त कर पाएंगे, दुर्गामी योजनाओं का लाभ मिेगा। कारोबार में कुछ नए संपर्क बन सकते हैं। दिन का दूसरा भाग खर्चीला रहेगा। मनोरंजन और धरेलू कार्यों पर व्यय बढ़ेगा। जीवनसाथी का सपोर्ट मानसिक बल देगा। परिवार में धर्म कर्म का माहौल बनेगा।



कुंभ

आज शुभ कार्य और यात्रा पर खर्च होगा। नौकरीपेशा लोगों को जिम्मेदारी बढ़ सकती है। काम में नई तकनीक का फायदा मिलेगा। संपर्क क्षेत्र का विस्तार होगा। शुभ कार्य और यात्रा पर खर्च हो सकता है। किसी करीबी को मदद कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन के मामले में दिन अनुकूल रहेगा। धर्म कर्म के काम में मन लगेगा।



वृश्चिक

आज नई योजनाओं पर विचार कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति,आप कल कमाई बढ़ाने के लिए नई योजनाओं पर विचार कर सकते हैं। निवेश और व्यापार विस्तार की योजना पर काम कर सकते हैं। वाहन और स्वास्थ्य कारणी पर धन खर्च हो सकता है। घर परिवार के मामले में अनुकूल रहेगा।



मकर

आज कुछ नया काम भी शुरू कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी मेहनत और अनुभव का लाभ मिलेगा। किसी पुराने काम का आपको फायदा मिलेगा। कारोबार में फायदा होगा। आप कुछ नया काम भी शुरू कर सकते हैं। सुख साधनों पर खर्च होगा। परिवार की पर्याप्त समय न दे पाने से जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना होगा।



मीन

आज अनुभव और ज्ञान का फायदा मिलेगा आर्थिक मामलों में व्यावहारिक सोच का फायदा मिलेगा। पुराने अनुभव और ज्ञान का फायदा मिलेगा। अनचाहे खर्च परेशान करेंगे। आपको रिश्तों के प्रति गंभीरता दिखानी होगी। किसी करीबी को लेकर परेशानी हो सकती है। किसी पुरानी समस्या का निदान होगा।

हरिद्वार कुंभ 2027 का लोगो,
वेबसाइट और थीम सॉन्ग लॉन्च

हरिद्वार, एजेंतो। उतराखंड के बिनेट की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री एकर सिंह धामी ने हरिद्वार कुंभ 2027 मेले के आधिकारिक लोगो, वेबसाइट और थीम सॉलंग का लोकार्पण किया। इसके साथ ही कुंभ की धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को देश दुनिया तक पहुंचाने की तैयारी को नया आयाम मिला। सरकार का मकसद आधुनिक संचार माध्यमों के जरिए श्रद्धालुओं को कुंभ से जोड़ना और आयोजन का संदेश व्यापक स्तर पर पहुंचाना है। हरिद्वार कुंभ 2027 के लिए मधु शर्मा के डिजाइन का हुआ चयन: बता दें कि मेला प्रशासन ने लोगो तैयार करने के लिए युवाओं और विद्यार्थियों से डिजाइन आमंत्रित किए। सैकड़ों आवेदनों में से हरिद्वार के जगजीतपुर निवासी मधु शर्मा के डिजाइन का चयन किया गया। क्या है खासियत? कुंभ के आधिकारिक लोगो में मा गंगा, हरकी पैड़ी, धनुष पुल, सूर्योदय, शिव प्रतिमा, सांघु सतों, त्रिशूल, डमरू और मनसा देवी व चंडी देवी की पहचानों को दर्शाया गया है। लोगो के माध्यम से हरिद्वार की धार्मिक महत्ता और सनातन परंपरा को एक साथ पेश किया गया है। वेबसाइट पर मिलेगी कुंभ की जानकारी: कुंभ की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आयोजन से जुड़ी जानकारीयां डिजिटल रूप में उपलब्ध कराई जाएंगी, इससे देश-विदेश के श्रद्धालुओं को कुंभ संबंधी सूचनाओं तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

पंचकूला में पुलिस और बदमाशों में
मुठभेड़: तारु देवीलाल स्टेडियम के पीछे
हुई वारदात, दोनों के पांव में लगी गोली

पंचकूला, एजेंसी। पंचकूला सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम के पीछे सोमवार देर रात पुलिस और बाइक सवार दो बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने टीम पर तीन से चार राउंड फायर किए। जवाबी कार्रवाई में क्राइम ब्रांच सेक्टर-2 की टीम ने भी गोलीया चलाई। इसमें दोनों आरोपियों के पांव में गोली लगी। पुलिस ने उन्हें सेक्टर-6 स्थित नगरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। आरोपियों के कब्जे से दो पिस्टल और कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार देर रात क्राइम ब्रांच सेक्टर-2 की टीम को सूचना मिली थी कि बाइक सवार दो आरोपी पंचकूला में किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही शुरू सक्रिय हो गई और संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान दोनों आरोपी ताऊ देवीलाल स्टेडियम के पीछे वाली सड़क पर बाइक से जाते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने बाइक सवारों को रुकने का इशारा किया, लेकिन आरोपियों ने रुकने के बजाय भागने का प्रयास किया। इसी दौरान उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जबकि पुलिस ने भी गोलीया चलाई, जिसमें दोनों के पैरों में गोली लगी। इसके बाद पुलिस ने दोनों को काबू कर अस्पताल पहुंचाया।

बस्तर दशहरा: जोगी बिठाई की रस्म हुई पूरी, 4 फीट गड्डे में निर्जला कड़ी तपस्या पर बैठे दौलत कुमार नाग

जगदलपुर, रजसी। विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरे की अनूठी परंपराओं में शामिल जोगी बिटाई की रस्म जगदलपुर के सिरहासार भवन में विधि-विधान के साथ संपन्न हुई, लगभग 600 वर्ष से चली आ रही इस परंपरा में इस साल आमावाल निवासी दौलत कुमार नाग जोगी के रूप अगले 9 दिनों तक निर्जला तपस्या करेंगे। मान्यता यह है कि जोगी की यह साधना बस्तर दशहरा को निर्विघ्न और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए की जाती है। दरअसल जोगी बिटाई की परंपरा एक पुरानी मान्यता से जुड़ी है। कहा जाता है कि वर्षों पहले दशहरा पर्व के दौरान हल्बा समाज का एक युवक रहल के पास नौ दिनों तक निर्जला उपवास रखकर तपस्या करने बैठ गया था, जब तत्कालीन महाराज को इसकी जानकारी मिली, तो उन्होंने युवक से तपस्या की कारण पूछा, युवक ने बताया कि वह बस्तर दशहरा को शांतिपूर्ण और बिना किसी बाधा के संपन्न करने के लिए साधना कर रहा है, युवक की बात सुनकर महाराज खुश हुए, उन्होंने सिरहासार भवन का निर्माण करवाया और इस परंपरा को आगे बढ़ाने में सहयोग दिया, तब से हर साल जोगी बिटाई की रस्म निर्भाई जा रही है, पिछले 3 साल से जोगी बन रहा हूँ, बस्तर दशहरा खेती बाड़ी अच्छे से हो, बस्तरवासी अच्छे से रहे, इसके लिए 9 दिन तक जग पर बैठते हैं - दौलत कुमार नाग, जोगी जोगी दौलत कुमार नाग ने बताया कि मावली देवी मंदिर में पूजा पाठ करने के बाद देवी के तलवार को लाया जाता है, उस तलवार को 4 फीट गड्ढे में स्थापित करके बैठ जाता है।

दहलीज पर यूपी चुनाव: नेता परिवारों की अगली पीढ़ी दस्तक देने को तैयार, सपा-भाजपा में टिकट के लिए लंबी फेहरिस्त

हई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव दहलीज पर आ गया है। इसके साथ ही नेता परिवारों की अगली पीढ़ी दस्तक देने को तैयार है। चुनावी विसात जल सजेगी, तमिडान में ऐसे युवा रहेरे देखेंगे जिन्हें मेसयस में कदम रखे ज्य्याद वचन नहीं हुआ है। इनमें खास बात यह कि यह सभी सुखदर सप्रिथि परते की अगली पीढ़ी का प्रितीनिधत्व करेरे दिखेंगे। अपने अपने इलाकों में यह नए नेता राजनीतिक सामाजिक असरसंपर्क में जुट गए हैं और इसकी झलक सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर दिखले रही है। इसके जरिए जनात को व साथ में टिकट बांटने वालों को मजबूत दावेदारी का संदेश दिया जा रहल है। रक्षा मंत्री व यूपी में मुख्यमंत्री रह चुके राजनाथ सिंह के बेटे नीरज सिंह काफ़ी समय से भाजपा में सक्रिय हैं और उन्हें अभी प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ने का मौका नहीं मिला है। पार्टी उन्हें आजमा सकती है। विधानसभा अध्यक्ष सीतरीश महाना भी आठ बार के विधापक्ष हैं।

उनके बेटे कर्न महाना की पार्टी में सक्रियता व जनसंपर्क अभियान से उनकी टिकट चाहत का संकेत मिलता है। रीता बहुगुणा जोशी अपने बेटे मयंक जोशी को टिकट दिलाना चाहती है। मयंक जोशी को सपा भी टिकट दे सकती है। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य काँग्रेस के साथ आ चुके हैं। संप्रभव है कि उनके बेटे को काँग्रेस से टिकट मिल जाए। अमेठी में संजय



सिंह अपनी वकील बेटी को विधानसभा चुनाव के जरिए राजनीति में उतारने की कोशिश में हैं।

विधानसभा पहुंचने के लिए सांसद व विधायकों के परिजन हुए सक्रिय : अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद विधानसभा चुनाव में उतरने की तैयारी में हैं। हालांकि वह अपने पिता के इसीपे से खाली सांसद पर हुआ उपचारवाह हार चुके हैं। सांसद लाल

द्विवेग नेताओं के परिजनों का राजनीतिक उत्तराधिकार का दावा उम्रदराज सदस्य आलम बदी का इसी साल जुलाई में 90 वर्ष की आयु में निजमा हो गया। उनकी सीट विधानमंडल से उनके बेटे मुस्तजब आलम की दावेदारी पर सपा को निर्णय लेना है। सपा सरकार में मंत्री रहे राम गोविंद चौधरी की भी हाल में मृत्यु हो गई।

जी वमां अपनी डाइटर बेटी छया को
चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।
जौनपुर की कैथक सीट से
विधायक तुफानी सरोज की बेटी
सांसद प्रिया सरोज ने हल में संयुक्त
राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व किया।
तुफानी सरोज अपने बेटे धर्नाज को
राजनिति में लांच करना चाहते हैं।

उनके बेटे रणजीत चौधरी को
पिता की बांसडीह सीट से चुनाव
लड़ने का मौका मिलने की प्रबल
संभावना है। अगर की फतेहाबाद
सीट पर भाजपा विधायक छोटे लाल
का कुछ समय पहले निधन हुआ।
अब पार्टी उनमें बेटों में किसी को
उम्मीदवार बना सकती है।

**रियाद एयरपोर्ट हमले के बीच एनएसए अजित
डोभाल और ईरानी सुरक्षा प्रमुख में बातचीत:
क्षेत्रीय सुरक्षा और द्विपक्षीय मुद्दों पर हुई अहम चर्चा**

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के एक्सप्रेससुशा सलाकार (एएसए) और डीआरडी और ईरान की 'सुप्रीम नेशनलसिक्वोरिट्री काउंसिल' के सचिव मोहम्मद रेजाई के बीच सोमवार शंटीहोफोन पर उच्चस्तरिय बातचीत हुई। यह कूटनीतिक संकेत सातवीं अरबकी रक्षाधानी रियाद के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले के महज दिन बाद हुआ है, जिसमें एक भारतीय नागरिक की जान चली गई थी। क्षेत्रीय हालात और आपसी हितों विमर्श जारी स्थिति ईरानी दूतवाहद्वारा जारी आधिकारिक बयान अनुसार, दोनों शीर्ष सुशा अधिकारियों के बीच क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों के साथ-साथ भारत और ईरान के द्विपक्षीय हितों से जुड़े अमृदों पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

इरानी दूतावास ने जानकारी स
करते हुए कहा- 'ईरान की सु
नेशनल सिवयोरिटी काउंसिल के स

डॉ. मोहसिन रज़ाई ने सोमवार को भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से फोन पर बातचीत की। 'इस दौरान दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों के साथ-साथ परस्पर हितों से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

रियाद हमले की पृष्ठभूमि बड़ी कूटनीतिक सरगमी : दो
के सुरूआत प्रमुखों के बीच यह
अत्यंत संवेदनशील समय पर ह
बोते दिनों रियाद अंतरराष्ट्रीय प
पर हुए घातक हमलों में एक स
नागरिक की दुखद मौत हो गई थ
हमले के लिए ईरान समर्थित य
हूती विद्रोहियों को जिम्मेवार ठहरा
है। परिचय एशिया में बढ़ते तना
खाड़ी क्षेत्र में भारतीय नागरि
सुरक्षा के मद्देनजर अजित डोभा
ईरानी समकक्ष के बीच हुई इस
को कूटनीतिक रूप से बेहद मा
माना जा रहा है।

पधानामथिद्वा, एजंसी।
सबरीमला मंडला-मकरविलक्क,
तीर्थथामरा सोजन के नीलकल
सन्निधामम, पंजा और निलकल
में नालम्बलम के अंदर फोटोग्राफी पर
और वीडियोग्राफी पर पूरी तरह से
बैन लगा दिया गया है।
पधानामथिद्वा डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ए
निजामुद्दीन ने सुरक्षा व्यवस्था के
तहत यह आदेश जारी किया।

सुस्था और ऑर्गैनिजेशन नामों को गैर-
के लिए संबंधित अधिकारियों से सौंपा
पहले से इजाजत लेकर नए इस्तेमाल
फोटोग्राफ और वीडियोग्राफिंग
रेक से बाहर है। अधिकारियों ने नए
पाया कि नालम्बलम के अंदर कैम्पमेंट
का इस्तेमाल तीर्थयात्रियों के
आसनों से दर्शन में रुकावट डालता
है। यह सख्त रेक इसलिए लगाई गई
क्योंकि ऐसी गतिविधियों से भीड़
बढ़ती है और बाद में हड़सों के
खतरा बढ़ जाता है। इस पहलू से
खतरा गंजकद का मुकद्दम सुस्था
अधिकारियों ने नए

राहुल गांधी की याचिका पर अभी नहीं होगी सुनवाई, सप्लीमेंट्री लिस्ट में शामिल नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और इंडिया ब्लॉक के 11 नेताओं द्वारा चुनाव आयोग के खिलाफ दायर याचिका पर मंगलवार को सुनवाई नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट की ओर से 13 अक्टूबर के लिए जारी सप्लीमेंट्री लिस्ट में राहुल गांधी की याचिका शामिल नहीं हुई है। दरअसल, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से चुनाव आयोग के खिलाफ दायर याचिका में सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने 14 कमियां पाई हैं। इन कमियों को दूर करने के बाद ही यह मामला सुनवाई के लिए लिस्ट हो सकेगा। रजिस्ट्री के अनुसार, याचिका में कई तकनीकी और अदस्तावेजी खामियां हैं। इनमें लोगों को नाम से प्रतिवादी बनाना, पुराने



फसले की काँपी न लगाना और 9 याचिकाकर्ताओं का वकालतनामा न होना शामिल है। इसके अलावा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे के आईडी कार्ड की धुंधली काँपी दी गई है और कोर्ट को 220 रुपए कोर्ट फीस कम मिली है। रजिस्ट्री ने साफ कहा है कि धुंधले दस्तावेज और बाकी कमियों को ठीक करने के बाद ही केस को सुनवाई के लिए

सूचीबद्ध किया जाएगा। इससे पहले राहुल गांधी की कानूनी टीम ने भारतीय चुनाव आयोग की अनियमितताओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक अहम याचिका दाखिल की थी। याचिका को सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री में दर्ज कर लिया गया था। यह याचिका 12 अक्टूबर को शाम 4:37 बजे फाइल की गई थी।

यह याचिका अकेले राहुल गांधी की नहीं, बल्कि विपक्षी 'इंडिया' ब्लॉक के 11 बड़े नेताओं की ओर से संयुक्त रूप से दायित्व की है। याचिकाकर्ताओं में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, सीमांत राय, अश्विनेश यादव, तेजस्वी प्रसाद यादव, संजय राउत, एमए बेबी, डी. राजा, महुआ माजी, सुप्रिया सुले और ई. टी. मोहम्मद बशरी शामिल थे।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पैरवी की जिम्मेदारी अधिवक्ता प्रसन्ना एस. की थी। याचिका में कुल चार पक्षों को प्रतिवादी बनाया गया था। इनमें पहला प्रतिवादी भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई), जबकि अन्य तीन प्रतिवादी चुनाव आयोग के अधिकारी ज्ञानेश कुमार, सुखबीर सिंह पंधू और विवेक जोशी थे।

सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी ने कल यानी मंगलवार को लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों को अपने आवास पर चाय के लिए बुलाया है। कल दोपहर इंडिया गठबंधन के नेताओं की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी, जिसके बाद चाय का कार्यक्रम रखा जाएगा। माना जा रहा है कि इस बैठक में चुनाव आयोग के खिलाफ आगे की गणनीति पर चर्चा होगी।

मिमी दीवान ने
पर 15 दिनों
सली समस्या
एक केंद्रीय
है।
का पक्ष रख
गुरु कृष्ण
ट है। सवाल
बाँटा जाए?
पानी छोड़ना
स बात पर
मल संसाधनों
रण है। दीवान
डलु में एक
है। कुम्हार ने
आनुपातिक
tely) रूप
है, जो कि
है और



कामचलाऊ तरीका
रहा है। जब भी कोई
है, उन्हें हमेशा उनका
अधिक मिलता है, उ
पात्रता से कम मि



नाया जा
कट आता
यात्रा से
मुझे मेरी
ता है...

कनाटक सरकार ने दली
'कमी' को पूरा करने
तमिलनाडु को 11
मिलियन वयूबिक फीट
नदी का पानी छोड़ने की

पूरा करना मुश्किल है। तमिलनाडु सरकार ने कहा कि संकट की अवधि के दौरान प्रवाह में सिर्फ अपना अनुपातिक हिस्सा और अपिछले वैकलांग की मांग कर है. यह तर्क दिया गया कि मौसम की ओर जल विज्ञान संसंकट का पूरा बोझ नि तटवर्ती राज्य पर नहीं डाला सकता, जबकि कर्नाटक सि और अन्य आवश्यकताओं लिए उपलब्ध भंडारण और प्रवाह का उपयोग करना रखा है. सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु सरकार के एक आवेदन पर अपना फैस सुरक्षित रख लिया, जि कर्नाटक को 7 अक्टूबर

कावेरी पानी के 11 टीएमसी के बैकलॉग को तुरंत साफ करने और कर्नाटक-तमिलनाडु सीमा पर नदी के किनारे एक प्रमुख जल-मापन केंद्र, बिलीगुंडलु में 10 दिनों के भीतर 1.3 टीएमसी प्रति दिन की दर से इसकी आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

दीवान ने तर्क दिया कि यह एक बहुत ही कठिन प्रश्न रहा है और इस क्षेत्रों को सूखा प्रभावित घोषित किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि तमिलनाडु को नवंबर में उत्तर-पूर्वी मानसून लाभ होता है, जिससे उसके जलाशय फिर से भर जाएंगे, जबकि इससे कर्नाटक को कोई मदद नहीं मिलेगी।

सरकार का लक्ष्य आरएसटीआई के माध्यम से 6 लाख से अधिक ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षित करना



प्रशिक्षण लक्ष्य से अधिक है। ग्रामीण शिक्षण में मजबूत करने और आजीविका के अवसरों का उद्घाटन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठते हुए, ग्रामीण विकास मंत्रालय ने राष्ट्रीय रुडमैप कार्यक्रम के साथ एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। इसका उद्देश्य देश भर में ग्रामीण विकास के साथ एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। इसका उद्देश्य देश भर में ग्रामीण विकास के साथ एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य कौशल पंजी के माध्यम से रोजगार के पंजीकरण में सुधार करना और आधार-संक्रमण कार्यक्रमों के उपयोग के माध्यम से एईबीएएस) के माध्यम से आधार-आधारित चेहरे के पहचान प्रणाली के माध्यम से बेरोजगारों को बेहतर बनाना होगा, साथ ही आरएसईआईआई के माध्यम से दिए जाने वाले प्रशिक्षण को प्रभावित और प्रासंगिकता को बढ़ाना होगा। इसमें राष्ट्रीय कौशल योजना (NSRF) के अनुरूप नए जमाने के

सबरीमला तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए
वीडियोग्राफी और सड़क किनारे खाना बनाने पर बैन



पक्का करना है क्योंकि आने वाले दिनों में भक्तों की संख्या बढ़ने में उम्मीद है। तीर्थयात्रा के मौसम सन्निधान में, पंजाब, निलक्कल और आस-पास के जंगल के इलाकों में गैर-सरकारी कामों के लिए ड्रोन इस्तेमाल पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। सिक्वोएटी एजेंसियों के डिस्ट्रिक्ट पुलिस चौक से पहले इजाजत लेने के बाद ही सरकारी ज़रूरतों के लिए ड्रोन इस्तेमाल करने की इजाजत है। सन्निधान में, पंजा

निलक्कल और आस-पास के जंगल बहुत सेमिटिव जंगल हैं, जहाँ ल्योहर के समय भारी भीड़ होती है। इन इलाकों में बिना इजाजत के ड्रोन ऑपरेशन तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और प्राइवसी के लिए एक बड़ा खतरा है। इसके अलावा यह रोक इसलिए लगाई गई क्योंकि ड्रोन सुरक्षा सिस्टम के लिए एक गंभीर चुनौती है और जंगल के इलाके में जंगली जानवरों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बनते हैं।

**दुष्यंत गौतम बने सिक्किम के राज्यपाल, बोले-
संविधान को ध्यान में रखकर करूंगा काम**



है दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व राज्यसभा सांसद दुष्यंत गौतम को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति की ओर से पांच राज्यों में राज्यपालों की नियुक्तियों की घोषणा के बाद दुष्यंत गौतम को नई संवैधानिक जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति की खबर सामने आते ही समर्थकों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल फैलने को मिला। नियुक्ति की घोषणा के बाद दिल्ली के शाहदरा स्थित दुष्यंत गौतम के आवास पर हार्दिक देने वालों का सिलसिला शुरू हो गया है। समर्थकों और शुभचिंतकों उनसे मुलाकात कर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस नई नियुक्ति को उनके राजनीतिक जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। राज्यपाल की नियुक्ति होने के बाद दुष्यंत गौतम ने पीएम मोदी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा हमें जो जिम्मेदारी दी गई है उसको पूरी ईमानदारी से निभाएंगे और अपनी संसृष्टि को बचाने का प्रयास करेंगे। मैं संविधान को ध्यान में रखते हुए ही वहां की मौजूदा सरकार के साथ मिलकर राज्य को आगे बढ़ाने का काम करूँ। बता दें कि दुष्यंत गौतम भारतीय जनता पार्टी में राष्ट्रीय स्तर पर संगठनात्मक जिम्मेदारियाँ निभा चुके हैं। पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद के तौर पर उनकी राजनीतिक पहचान रही है। अब सिक्किम के राज्यपाल के रूप में उनकी नई भूमिका पर राजनीतिक हलकों और उनके समर्थकों की नजर रहेगी। सिक्किम भारत के पर्वतों के क्षेत्र में स्थित एक पर्वतीय राज्य है। इसकी राजधानी गंगटोक है। हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं, प्राकृतिक सुंदरता, जैव विविधता और पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध सिक्किम भौगोलिक और सामरिक, दोनों ही दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। सिक्किम की सीमाएँ नेपाल, भूटान और चीन से लगती हैं, जबकि इसके दक्षिण में पश्चिम बंगाल स्थित है। अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से सटे होने के कारण यह राज्य भारत की सामरिक और सुरक्षा संबंधी दृष्टि से भी खास महत्व रखता है। राज्यपाल के तौर पर दुष्यंत गौतम की भूमिका संवैधानिक प्रावधानों के तहत महत्वपूर्ण होगी। राज्यपाल राज्य में अथवा भूमिका निभाते हैं। दुष्यंत गौतम की नियुक्ति के बाद अब उनके आगामी कार्यकाल को लेकर समर्थकों और शुभचिंतकों में उत्सुकता है।

ब्रिस्बेन ओलंपिक 2032 की सीईओ सिंडी हुक अपना पद छोड़ेंगी

नई दिल्ली। ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक गेम्स ऑर्गनाइजिंग कमिटी की सीईओ सिंडी हुक ने घोषणा की है कि वह अपने चार साल के कॉन्ट्रैक्ट के खतम होने पर अपने पद से हट जाएंगी। हुक को फरवरी 2023 में नियुक्त किया गया था। उनका चार साल का कॉन्ट्रैक्ट अगले साल की शुरुआत में खतम होने वाला है। ऑर्गनाइजिंग कमिटी के मुताबिक, आने वाले महीनों में एक नई नियुक्ति की घोषणा होने की उम्मीद है। ऑर्गनाइजिंग कमिटी बोर्ड ने हुक के कॉन्ट्रैक्ट समाप्त होने के बाद पद छोड़ने के फैसले को मान लिया है। ऑर्गनाइजिंग कमिटी के मुताबिक, 'लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक से ठीक एक साल पहले एक आसान बदलाव सुनिश्चित करने के लिए और ब्रिस्बेन 2032 के अपने शुरुआती प्लानिंग और कैपेबिलिटी बिल्डिंग फेज से ऑपरेशन्स, प्रोजेक्ट और इवेंट डिलीवरी के अगले महत्वपूर्ण फेज में जाने के लिए एक नए लीडर को बताने



सौंपने का यह सही समय है।' हुक ने एक बयान में कहा, 'पिछले चार सालों में, मैंने वह सब कुछ हासिल किया है जिसकी हमने उम्मीद की थी और इस दौरान मुझे कई अद्भुत अनुभव हुए।' ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक ऑर्गनाइजिंग कमिटी की सीईओ के तौर पर, सिंडी गेम्स के ऑर्गनाइजेशन के सभी पहलुओं को लीड करने के लिए जिम्मेदार थीं, ताकि एथलीट और दर्शकों के लिए एक शानदार अनुभव बनाया जा सके और ब्रिस्बेन, साउथईस्ट कोसलैंड और ऑस्ट्रेलिया के लिए एक पॉजिटिव विरासत छोड़ी जा सके। उनकी जिम्मेदारियों में गेम्स की प्लानिंग, स्पोन्सरशिप, टिकटिंग और मर्चेंडाइज के जरिए राजस्व जुटाना, वैन्यू के ऑपरेशन को मैनेज करना, इवेंट सुरक्षा, वॉलंटियर रिक्रूटमेंट आदि शामिल हैं।

भारत बनाम वेस्टइंडीज: आईसीसी ने पॉवेल और रदरफोर्ड को फटकारा

खाते में डिमेरिट अंक भी जुड़ा

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ शुक्रवार को रांची में खेले गए दूसरे टी20 मैच के दौरान 'आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट' तोड़ने पर वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों रोमैन पॉवेल और शेरफेन रदरफोर्ड को आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई गई। इसके साथ ही दोनों खिलाड़ियों के खाते में एक-एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया। आईसीसी के अनुसार, पॉवेल को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट के सामान या कपड़ों, मैदान के सामान या फिक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है। पॉवेल को आउट होने के बाद अपने बल्ले से गेंद को दूर मारने के लिए सजा दी गई। यह घटना वेस्टइंडीज की पारी के छठे ओवर में हुई, जब भारत के तेज गेंदबाज मयंक यादव ने पॉवेल को बोल्ट कर दिया।

वहीं, रदरफोर्ड ने आर्टिकल 2.8 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति



जताने से संबंधित है। रदरफोर्ड को मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने के लिए फटकार लगाई गई। पारी के 13वें ओवर के दौरान एक गेंद को रदरफोर्ड वाइड मान रहे थे, लेकिन उसे वॉलंड करार दिए जाने के बाद कैरेबियन खिलाड़ी अंपायर पर आक्रामक रूप से चिल्लाए। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने अपराध स्वीकार करते हुए एम्पिरिट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरीज के प्रकाश भट्ट द्वारा प्रस्तावित सजा को मान लिया, जिससे औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। आईसीसी ने यह भी पुष्टि की कि दोनों खिलाड़ियों के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक-एक डिमेरिट प्वाइंट जोड़ा गया है। 24 महीने की अवधि में यह दोनों का पहला अपराध था। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम करने के बाद भारत ने टी20 सीरीज का पहला मैच 8 विकेट से जीता, जिसके बाद रांची में खेले गए दूसरे मुकाबले को वेस्टइंडीज ने 6 विकेट से अपने नाम करते हुए सीरीज में 1-1 से बराबरी की।

पैरा एशियन गेम्स 2026

खेल मंत्रालय ने 166

खिलाड़ियों को मंजूरी दी, निशानेबाजी कोच बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल मंत्रालय ने विवादों से घिरी चयन प्रक्रिया के बाद पैरा एशियाई खेलों के लिये 166 खिलाड़ियों को मंजूरी दी है जिसमें विवादित पैरा निशानेबाजी कोच जय प्रकाश नैटियाल को दल से हटा दिया गया है।



जापान के आइवी नागोया में 18 अक्टूबर से होने वाले खेलों के लिये नैटियाल को जगह जीवन एल राय को दल में जगह दी गई है। नैटियाल पर चयन के बदले धन की मांग और स्थापित मानदंडों का पालन नहीं करने के आरोप लगाये गए हैं। कई निशानेबाजों ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन करके उनकी बर्खास्तगी और आरोपों की जांच की मांग की थी। उन्होंने खेल मंत्री मनसुख मांडविया से भी मुलाकात करके अपनी शिकायतें उनके सामने रखीं। इससे पहले पैरा एशियाई दल के विवाद समारोह के दौरान भी उन्होंने प्रदर्शन किया था।

94 टीम अधिकारियों और सहयोगी स्टाफ और 15 दल स्टाफ के साथ भारत का 275 सदस्यीय दल 10 खेलों में भाग लेगा। इनमें 62 एथलेटिक्स में हैं जिनमें 46 पुरुष शामिल हैं। विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता दृष्टिबाधित फर्राटा धाविका सिमरन भी टीम में है। उनके पूर्व गाइड उमर सैफी को डोपिंग के कारण बाहर कर दिया गया। अब उनके नये गाइड शिवम उनके साथ होंगे। साइकिलिस्टों के प्रदर्शन के बावजूद मंत्रालय ने ऐन मौके पर कोई बदलाव नहीं किये हैं और पैरालम्पियन अरशद शेख को ही जगह दी गई है चूँकि टीम में चयन के दावेदारों में उनका प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ था। भारतीय साइकिलिंग महासंघ और भारतीय पैरालम्पिक समिति ने छह अन्य का चयन किया था लेकिन मानदंडों पर खरे नहीं उतरने के कारण उन्हें शामिल नहीं किया गया। टेबल टेनिस में स्वीकृत नामों में पैरालम्पिक रजत पदक विजेता भाविना पटेल शामिल है। बैडमिंटन में 28 सदस्यीय दल को मंजूरी मिली है जिनमें दुनिया के पूर्व नंबर एक और तोषयो पैरालम्पिक स्वर्ण पदक विजेता प्रमोद भगत और पैरालम्पिक रजत पदक विजेता सुहास यथिराज शामिल हैं।

सारा ने मनाया 29वां जन्मदिन

ग्लैमर से ढाया कहर, भाभी सानिया के अलावा खास दोस्त भी रहे मौजूद

मुंबई, एजेंसी। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर ने सोमवार को 29वां जन्मदिन मनाया। इसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की हैं। सारा की भाभी सानिया चंदोक ने सरप्राइज पार्टी रखी और सारा की कई दोस्तों को भी इनवाइट किया। सारा ने पोस्ट साझा करते हुए हर फोटो के साथ अलग-अलग कैप्शन रखा है। उन्होंने पहले फोटो में केक के साथ तस्वीर साझा की और क्यूट स्माइल के साथ लिखा- 'जिंदगी के 29वें अध्याय में, हर चीज के लिए शुक्रगुजार हूं। सारा ने दूसरी फोटो भाभी सानिया के साथ साझा की। सानिया सारा की अच्छी दोस्त भी हैं। सारा ने लिखा, 'मेरे सपनों की भाभी के साथ एक तस्वीर।' अगली तस्वीर में उनकी दोस्त फोटोज खींचती हुई दिख रही हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'पैराजी के लिए पोज करते हुए।' सारा ने फिर दोस्तों के साथ तस्वीर साझा की और लिखा, 'अपनी बेस्टीज के साथ फेक कैडिड।'

उन्होंने खुद की तस्वीर साझा करते हुए हिंदी में लिखा- 'मैं अपनी फेवरेट हूं। सारा ने फिर सुंदर से केक की तस्वीर भी साझा की है। सारा फ्लोरल वन पीस में काफी सुंदर दिख रही हैं। उन्होंने विश मांगते हुए और तस्वीर भी साझा की है। इसके अलावा उन्होंने एक कैप्शन में लिखा, 'केक पर गिरते बची।' भाभी सानिया के अलावा सारा के दोस्तों ने इस बर्थडे बैश को और ग्लैमरस बना दिया। वहीं, सारा अपने डॉस को भी केक खिलाती दिखीं। सारा ने साथ ही अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में उन्हें विश करने वालों के पोस्ट भी साझा किए हैं। सारा का जन्म 12 अक्टूबर 1997 को हुआ था। सोशल मीडिया पर उनके फैस और करीबी लोगों ने भी उन्हें विश किया। जन्मदिन की इन तस्वीरों पर उर्फी और ओरी समेत कई सितारों ने उन्हें विश किया है। सार तेंदुलकर अपनी सादगी और ग्लैमर, दोनों के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी ग्लैमरस तस्वीरें साझा करती हैं और फैशन सेंस की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। सोमवार को बेटी के जन्मदिन पर सचिन ने भी भावुक कर देने वाला पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा, 'एक समय था, जब मैं आपको रास्ता दिखाया करता था। अब अक्सर आपको अपनी पसंद के रास्ते चुनते और उन पर आगे बढ़ते देखकर ही खुश हो जाता हूं। जन्मदिन मुबारक हो, सारा। ढेर सारा प्यार।' पोस्ट में सचिन कुर्ता पैंजामा में और सारा साड़ी में नजर आ रही हैं।

शिक्षा और पर्सनल लाइफ

सारा ने अपनी शुरुआती पढ़ाई धीरुभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल (मुंबई) से की और फिर उच्च शिक्षा के लिए लंदन स्थित युनिवर्सिटी कॉलेज गईं। वह मेडिकल साइंस में पढ़ाई कर चुकी हैं। हालांकि, सारा ने फिल्मों में कदम नहीं रखा है, लेकिन वह अक्सर ब्रांड एंडोर्समेंट और मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स में नजर आती हैं। सचिन और अर्जुन तेंदुलकर की बेटी सारा ने हमेशा अपनी सादगी और विनम्रता से लोगों का दिल जीता है। वह भले ही पब्लिक फिगर हों, लेकिन उन्होंने हमेशा एक लो-प्रोफाइल और एलीगेंट लाइफस्टाइल को चुना है। वहीं, सानिया की हाल ही में सारा के छोटे भाई अर्जुन तेंदुलकर से शादी हुई थी।



न्यूजीलैंड के खिलाफ इंडिया-ए के शुरुआती दो मुकाबलों से

पंत बाहर, कुशाग्र को मौका मिला

नई दिल्ली। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत लेफ्ट-साइड स्ट्रेन के कारण न्यूजीलैंड के आगामी दौर पर इंडिया-ए के शुरुआती दो मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह जानकारी सोमवार को दी। पंत का इस दौर पर खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर था। 1-4 अक्टूबर के बीच ईरानी कप में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 'रेस्ट ऑफ इंडिया' टीम की कप्तानी करते हुए उन्हें वायरल बुखार हो गया था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि 29 वर्षीय पंत मेडिकल टीम की देखरेख में हैं और लिंकन में 7 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीसरे मैच में उनके खेलने पर फैसला बाद में लिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'वह बीसीसीआई मेडिकल टीम की देखरेख में हैं और अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। तीसरे मैच में उनके खेलने पर फैसला बाद में लिया जाएगा। पुरुष चयन समिति ने पहले दो मुकाबलों के लिए पंत की जगह कुमार कुशाग्र को चुना है।'

झारखंड के 21 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज कुशाग्र, ध्रुव जुरेल की कप्तानी वाली इंडिया-ए की टीम में शामिल हुए हैं। इस टीम में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, केएल राहुल, आकिब नबी, मुकेश कुमार, आकाश दीप, मानव सुथार और वाशिंगटन सुंदर जैसे सितारे भी मौजूद हैं। कुशाग्र पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ इंडिया-ए के रेड-बॉल मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करके आ रहे हैं। उन्होंने पहले मैच में 113 और 46 रन बनाकर इंडिया-ए को जीत दिलाई थी।

इंडिया-ए की अपडेटेड टीम

ध्रुव जुरेल (कप्तान/विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पोंडिकेल, रविचंद्रन स्मरण, वाशिंगटन सुंदर, आकिब नबी, आकाश दीप, अंशुल कंबोज, मानव सुथार, मुकेश चौधरी, साई सुदर्शन, यश राठी, मुकेश कुमार और कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर) (पहले और दूसरे मैच के लिए)।

सितंबर में भारतीयों का रहा जबरदस्त जलवा आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड की घोषणा

दुबई, एजेंसी। सितंबर में भारतीय क्रिकेटर्स का जलवा रहा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड की घोषणा कर दी है और पुरुष तथा महिला, दोनों वर्गों में भारतीय खिलाड़ियों ने बाजी मारी है। पुरुष वर्ग में भारतीय कप्तान शुभमन गिल को यह सम्मान मिला, जबकि महिला वर्ग में आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में रनों का अंबार लगाया, वहीं शेफाली ने एशिया कप और एशियाई खेलों में अपने शानदार प्रदर्शन से भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई।

शुभमन गिल ने सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआती दो वनडे मुकाबलों में 333 रन बनाए। उन्होंने पहले मैच में शतक लगाया, जबकि दूसरे वनडे में नाबाद दोहरा शतक जड़कर इतिहास रच दिया। उनके प्रदर्शन की बदौलत भारत ने शुरुआती दोनों मुकाबले आठ विकेट से जीते। 27 सितंबर को

तिरुवनंतपुरम में खेले गए पहले वनडे में गिल ने 108 गेंदों पर 110 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने पहले



बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 295 रन बनाए थे। जबकि भारत ने 41.4 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इसके बाद गुवाहटी में 30 सितंबर को गिल ने

अपनी बल्लेबाजी का ऐसा अंदाज दिखाया कि कई रिकॉर्ड टूट गए। वेस्टइंडीज ने सात विकेट पर 405 रन बनाकर वनडे में पहली बार 400 रन का आंकड़ा पार किया। जबकि भारतीय कप्तान ने 133 गेंदों पर नाबाद 223 रन टोक दिए। उनकी पारी में 26 चौके और आठ छक्के शामिल थे। भारत ने 43.3 ओवर में दो विकेट पर 406 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। गिल ने 62 गेंदों में शतक पूरा किया, जो वनडे में किसी भारतीय कप्तान का सबसे तेज शतक था। उन्होंने 117 गेंदों में दोहरा शतक पूरा कर वनडे इतिहास में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया। सफल वनडे रन चेज में यह किसी बल्लेबाज का सर्वोच्च

व्यक्तिगत स्कोर है। गिल और रोहित शर्मा ने पहले विकेट के लिए 255 रन की साझेदारी की। रोहित ने 75 गेंदों पर 101 रन बनाए। हालांकि, वेस्टइंडीज ने तीसरा वनडे जीतकर सीरीज का अंतर 2-1 कर दिया।

सगाई तोड़ने के फैसले पर आकृति को हुआ पछतावा!

पृथ्वी शॉ के साथ फिर से शुरू की पारी, बदला फैसला

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ और अभिनेत्री-इन्फ्लुएंसर आकृति अग्रवाल ने अपने रिश्ते को एक और मौका देने का फैसला किया है। कुछ सप्ताह पहले दोनों ने अपनी सगाई टूटने की घोषणा की थी। अब आकृति ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर बयान जारी कर इस फैसले की जिम्मेदारी ली और माना कि करीबी लोगों की राय ने उनके रिश्ते को देखने के नजरिये को प्रभावित किया था। पृथ्वी ने भी सोमवार शाम इस बयान को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया। 'एक निजी स्पष्टीकरण' शीर्षक से जारी बयान में आकृति ने कहा कि सगाई तोड़ने समय उन्होंने अपने करीबी लोगों की बातों को खुद के रिश्ते पर हवी देने दिया। उनके मुताबिक, उन लोगों की राय ने उनके मंतेर और रिश्ते को लेकर उनकी सोच को प्रभावित किया।

आकृति ने लिखा, 'जब मैंने अपनी सगाई तोड़ने का फैसला किया, तब मैंने अपने करीबी

लोगों को राय को खुद पर हवी होने दिया। ऐसा लगा कि वे हमारे रिश्ते को हमसे बेहतर समझते हैं। इस वजह से मैंने अपने मंतेर और हमारे रिश्ते को उसी नजरिये से देखा शुरू कर दिया।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि मुझे गलत दिशा में ले जाया गया और मैंने वह इमामदार बातचीत किए बिना फैसला कर लिया, जिसकी हम दोनों को जरूरत थी।' आकृति ने इस फैसले और इससे पृथ्वी को पहुंची तकलीफ को जिम्मेदारी भी ली। उन्होंने बताया कि दोनों ने अब खुलकर बातचीत की है, एक-दूसरे को समझा है और फिर से साथ रहने का फैसला किया है। उन्होंने लिखा, 'हम दोनों एक-दूसरे के लिए काफी हैं और हमें किसी और की जरूरत नहीं है।' आकृति ने लोगों से उनके फैसले का सम्मान करने की अपील भी की। पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल ने मार्च 2026 में अपनी सगाई की घोषणा की थी। दोनों ने सोशल मीडिया पर प्रपोजल पर प्रतिक्रिया साझा की थी। हालांकि, सितंबर में आकृति ने बताया कि दोनों ने अलग होने का फैसला किया है। उस समय उन्होंने भविष्य के तथ्यों और परिस्थितियों में अंतर को इसकी वजह बताया था।



मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में राजनीतिक दलों की बैठक संपन्न

मतदाता सूची में छूटे हुए एवं प्रथम बार/युवा पात्र

मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए विशेष अभियान जारी

सतना। फोटो निर्वाचन नामावली में छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम शामिल करने एवं मतदाता सूची को अद्यतन करने के संबंध में आज मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री संजीव कुमार झा की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। आयोजित बैठक में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, इन्डियन नेशनल कांग्रेस, कम्युनिष्ट पार्टी आफ इण्डिया एवं बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों



में मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूटे हुए नागरिकों एवं प्रथम बार/युवा पात्र मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में शामिल करने के लिए निरन्तर अद्यतन प्रक्रिया के तहत विशेष अभियान

संचालित किया जा रहा है। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से बृथ लेवल एजेंट (बीएलए) के माध्यम से मतदाता सूची को अद्यतन करने के कार्य में सहयोग करने का आग्रह किया।

मादक पदार्थों की मांग में कमी लाने जिला स्तरीय समिति गठित

सतना। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिले में मादक पदार्थों की मांग में कमी लाने के लिए तीन वर्षीय कार्ययोजना बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन करने, सतत निगरानी, अंतर विभागीय समन्वय एवं नियमित मॉनीटरिंग के लिए कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति गठित की गई है। उप संचालक सामाजिक न्याय इस समिति के सदस्य-सचिव होंगे। इसी प्रकार समिति के सदस्यों में पुलिस अधीक्षक सतना, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सतना, वन मण्डल अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास, परियोजना अधिकारी

जिला शहरी विकास अधिकरण, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, प्राचार्य शासकीय स्नातकोत्तर पीएमश्री महाविद्यालय सतना, प्राचार्य पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला खेल अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, जिला आबकारी अधिकारी, जिला जनसम्पर्क अधिकारी, जिला योजना अधिकारी, सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग एवं अल्प संख्यक कल्याण, जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग, जिला समन्वयक जन अभियान परिषद, अध्यक्ष निवेदिता नशा मुक्ति केन्द्र सोनौरा होंगे।

जनपद पंचायत सीईओ को कारण बताओ नोटिस जारी

सतना। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने और शिकायत को गलत विभाग में स्थानांतरित करने पर कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस. ने जनपद पंचायत रामपुर बघेलान की मुख्य कार्यपालन अधिकारी रश्मि पाण्डेय को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। 12 अक्टूबर को आयोजित समीक्षा बैठक में ग्रामीण विकास की शिकायत को लोक निर्माण विभाग में स्थानांतरित किए जाने का मामला सामने आया था। कलेक्टर ने तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सात दिन का वेतन काटने और गोपनीय प्रतिवेदन में प्रतिकूल टीप दर्ज करने की चेतावनी दी है।

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों पर सात अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

सतना। सीएम हेल्पलाइन की 100 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस. ने विभिन्न विभागों के सात अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने तथा आगामी समीक्षा के पूर्व सभी लंबित शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जारी नोटिस के अनुसार 12 अक्टूबर 2026 को सीएम हेल्पलाइन समूह-ए को जिला स्तरीय समीक्षा के दौरान 100 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों के निराकरण की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। समीक्षा में सामने आया कि संबंधित

अधिकारियों द्वारा शिकायतों के निराकरण में अपेक्षित रुचि नहीं ली जा रही है, जिससे विभागीय रैंकिंग एवं जिले की ग्रेडिंग प्रभावित हो रही है। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि मुख्यमंत्री द्वारा समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को समीक्षा की जाती है। इसके अलावा प्रमुख सचिव स्तर पर भी निरंतर समीक्षा की जा रही है। इसके बावजूद शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण नहीं होना गंभीर लापरवाही माना गया है। समीक्षा बैठक में बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर भी संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा गया है। कलेक्टर द्वारा जारी नोटिस में कार्यपालन यंत्री नर्मदा घाटी विकास विभाग के जागृत भागत, सहायक यंत्री आर.पी. पाण्डेय, पीजी

कॉलेज सतना के उच्च शिक्षा विभाग के सीएम हेल्पलाइन प्रभारी मनोज कुमार सिन्हा, सड़कारिता विभाग के डीआरसीएस एवं डीएमसीसीबी, कृषि उपज मंडी के सचिव तथा मध्यप्रदेश बीज एवं फार्म विकास विभाग के क्षेत्रीय प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस में कहा गया है कि इस लापरवाही पर क्यों ना 7 दिवस का वेतन काटते हुए वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन में प्रतिकूल टिप्पणी दर्ज की जाये। जारी नोटिस में निर्देशित किया गया है कि सभी संबंधित अधिकारी तीन दिवस के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें तथा आगामी समीक्षा के पूर्व 100 दिवस से अधिक समय से लंबित सभी शिकायतों का नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 123 आवेदकों की समस्यायें

सतना। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सतना जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे 123 आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए आवेदकों ने भूमि विवाद, राजस्व रिकॉर्ड सुधार, सिंचाई, बिजली, पानी, सड़क निर्माण, पेंशन, छात्रवृत्ति, आवास योजना तथा अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत की। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर जीतेन्द्र वर्मा द्वारा भी आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं।

ग्राम पंचायत अतरहाई में भारी फर्जीवाड़ा, अमानक मटेरियल से किया जा रहा निर्माण कार्य

पन्ना। पन्ना जिले की पर्वई जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत अतरहाई में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है सरकारी धन को किस तरह सरेआम लुट हो रही है, इसका सबसे बड़ा और शर्मनाक उदाहरण पर्वई जनपद की ग्राम पंचायत अतरहाई में देखा जा सकता है। यहाँ करीब 25 लाख रुपये की लागत से बन रहे सामुदायिक भवन को सरपंच पति ने अपनी जागीर समझ लिया है। भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का आलम यह है कि भवन निर्माण में पैसे बचाने के लिए घंटिया रेत और जेके प्लांट की फेंकी हुई %वेस्टर% (खराब) सीमेंट का धड़ेल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। प्लांट से फेंकी गई इस कबाड़ सीमेंट को बोरियों में रस्सियों से बांधकर ट्रैक्टर-ट्रॉली के जरिए निर्माण स्थल पर लाया गया और उसी से बेशर्मी के साथ ढलाई का कार्य करवाया जा रहा है।



इसके संबंध में स्थानीय लोगों द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों को शिकायत भी की गई। उसके बावजूद सरपंच पति और भ्रष्ट अधिकारियों की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ा। अब छत की ढलाई (स्लैब कास्टिंग) में भी तकनीकी मानकों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। निर्माण स्थल से जो तख्तों सामने आई हैं, उनमें स्पष्ट देखा जा सकता है कि छत की मजबूती के लिए बिछाया जाने वाला लोहे का सरिया अत्यधिक दूरी पर

बांधा गया है। इंजीनियरिंग के लिहाज से यह बेहद कमजोर और घंटिया निर्माण है, जिससे भविष्य में छत के धंसने या कोई बड़ा हादसा होने का पूरा खतरा मंडरा रहा है। इस पूरे फर्जीवाड़े की पोल सबसे पहले अतरहाई के जागरूक ग्रामीण सुरेंद्र प्रजापति ने खोली थी। उन्होंने निर्माण स्थल पर मौजूद जेके प्लांट की वेस्टर सीमेंट की बोरियों और गुणवत्ताहीन सामग्री का बाकायदा वीडियो बनाकर जांच की गुहार लगाई थी। लेकिन अतरहाई

ग्राम पंचायत क उपयंत्री खान ने अपने रटे-रटाए जवाब से मामले पर पर्दा डालने की कोशिश की और दावा किया कि निर्माण गुणवत्तापूर्ण हो रहा है। मामला तुल पकड़ने पर जनपद पंचायत पर्वई के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अखिलेश उपाध्याय ने जांच के आदेश तो जारी कर दिए, लेकिन हकीकत यह है कि खबर छपने और आदेश होने के बाद भी जांच अधिकारी अब तक मौके पर पहुंचे ही नहीं हैं। अधिकारियों का मौके पर न पहुंचना इस बात का साफ प्रमाण है कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों का स्पष्ट आरोप है कि साइट उपयंत्री एवं एसडीओ और अन्य संबंधित अधिकारियों की आंखों पर कमीशन के लिफाफे की पट्टी बंधी हुई है। इन्होंने लिफाफों के वजन तले दबकर अधिकारी मौन बैठे हैं और

सरपंच पति को मनमानी करने की खुली छूट दे रखी है। प्रशासन और उच्चाधिकारियों से अब यह सख्त मांग की जा रही है कि जब तक इस पूरे मामले की एक निष्पक्ष तकनीकी टीम से सम्पूर्ण जांच नहीं हो जाती, तब तक इस निर्माण कार्य की पूरी राशि (भुगतान) पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए। साथ ही, सरकारी पैसे को इस सरेआम लुट में शामिल सरपंच पति और अपने कर्तव्य से गहरी करने वाले इंजीनियर, एसडीओ व अन्य जिम्मेवार अधिकारियों पर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इनका कहना है मामला संज्ञान में आया है जांच कर करके तत्काल का कार्यवाही की जाएगी। अखिलेश उपाध्याय (मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पर्वई)

नवरात्रि में भी सफाई व्यवस्था बरहाल

नालियों में गंदगी और सड़कों पर बह रहा दूषित पानी पन्ना। पन्ना नगर पालिका में सफाई व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। शहर के कई क्षेत्रों में नालियों की नियमित साफ-सफाई नहीं होने से गंदगी जमा है। नालियों में कचरा फंसने के कारण दूषित पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों, राहगीरों और स्कूली बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नवरात्रि जैसे धार्मिक पर्व के दौरान भी यदि सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं है, तो नगर पालिका के स्वच्छता संबंधी दावों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। नालियों में जमा गंदगी और सड़कों पर बहते दूषित पानी से आसपास का वातावरण प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों को बदबू के कारण परेशानी उठानी पड़ रही है। बारिश के दौरान उचित जल निकासी नहीं होने से जलभराव की



समस्या भी सामने आती है। ऐसे में सवाल उठता है कि शहर की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त रखने की जिम्मेदारी का निभाने वाले जगह-जगह जमा गंदे पानी से मच्छरों के पनपने की आशंका बढ़ जाती है। इससे डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा पैदा हो सकता है। यदि समय रहते नालियों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो लोगों की परेशानियां और बढ़ सकती हैं। आखिर सफाई के

नाम पर कितना बजट आवंटित किया जाता है? नियमित सफाई की निगरानी कौन करता है? क्या जिम्मेदार अधिकारी वादों का निरीक्षण कर रहे हैं? यदि सफाई के लिए कर्मचारी और संसाधन उपलब्ध हैं, तो फिर नालियों में गंदगी क्यों जमा है? शहरवासियों को उम्मीद है कि नगर पालिका प्रशासन इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए नियमित सफाई, कचरा उठाने और जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा।

स्वास्थ्य कर्मचारियों की लापरवाही से प्रसूता महिला की हुई थी मौत एक माह की वेतन काट कर लापरवाह कर्मचारियों को दिया बीएमओ ने अभय दान

पन्ना। सलेहा में स्वास्थ्य प्रबंधन इन दिनों अपनी चरम लापरवाही और संवेदनहीनता के लिए सुर्खियों में बना हुआ है। सलेहा प्रथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लापरवाह डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ पर खंड चिकित्सा अधिकारी सहित उच्चाधिकारियों की विशेष कृपा दृष्टि साफ-साफ झलक रही है। हाल ही में सामने आए एक दर्दनाक मामले ने स्वास्थ्य विभाग के मानवीय चेहरे को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है। खंड चिकित्सा अधिकारी की खुद की जांच में स्टाफ की लापरवाही सिद्ध होने के बावजूद, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के बजाय महज एक माह का वेतन कुछ समय के लिए रोकने का तुगलकी फरमान जारी किया गया है। मामले

के अनुसार उमा बती सिंगरौल पति रामकरण सिंगरौल ग्राम छापरवारा थाना सलेहा दिनांक 28 9 2026 के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती हुई थी महिला की डिलीवरी हुई लापरवाही के चलते महिला की मौत हो गई। उक्त मामले पर कार्यवाही करने के लिए पीडित ने आवेदन दिया मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा खंड चिकित्सा अधिकारी को जांच अधिकारी बनाया। खंड चिकित्सा डॉक्टर जयपाल अहिरवार ने। स्वास्थ्य कर्मियों को दोषी माना लेकिन उन्हें मात्र एक माह का वेतन काटने की सजा देकर माफ कर दिया। प्रशासन से यह सीधा सवाल है कि आखिर संवेदनहीनता की पराकाष्ठा कहां जाकर रुकेगी? क्या किसी मां की मौत की कीमत स्वास्थ्य विभाग की नजर में महज

एक महीने का वेतन रोकना है? इस संवेदनहीन फैसले को लिखने से पहले जिम्मेदार अधिकारियों की कलम एक बार भी नहीं कांपी। उस अबोध जन्मा (नवजात शिशु) के सिर से मां का साया हमेशा के लिए उठ गया, जिसकी मां को अस्पताल स्टाफ की घोर लापरवाही की वेदी पर बलि चढ़ा दिया गया। उस पति के सारे सपने एक पल में छीन लिए गए और उस लाचार बाप की दुनिया उजड़ गई, जिसने अपनी बेटी की शरादी के बाद न जाने क्या-क्या अमान सजाए थे। यदि अधिकारियों में थोड़ी भी संवेदना बची होती, तो ऐसा फैसला सुनाने से पहले वे सी बार सोचते। आज समूचा क्षेत्र प्रशासन के इस लचर और तरफदारी से भरे फैसले से गहरे दुख और आक्रोश में है।

सनातन हिंदू एकता रथयात्रा के पन्ना पहुंचने पर जगह-जगह भव्य स्वागत, बृजेंद्र प्रताप सिंह ने किया आत्मीय अभिनंदन

मडला से अजयगढ़ होते हुए पन्ना नगर तक हुआ भव्य स्वागत, पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं ने जताई आस्था पन्ना बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पूज्य पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन हिंदू एकता रथयात्रा के पन्ना जिले की सीमा में प्रवेश करने पर श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला। पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक श्री बृजेंद्र प्रताप सिंह ने मडला से अजयगढ़ होते हुए पन्ना नगर आगमन तक विभिन्न स्थानों पर रथयात्रा का भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं और सनातन धर्मावलंबियों ने पुष्पवर्षा कर पूज्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का अभिनंदन किया। रथयात्रा के स्वागत को लेकर लोगों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। स्थानों पर पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने रथयात्रा का स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर पूज्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त किया। जगह-जगह हुए स्वागत कार्यक्रमों से पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया। अजयगढ़ क्षेत्र में भी रथयात्रा का आत्मीय अभिनंदन किया गया। स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सनातन हिंदू एकता के संदेश के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। अजयगढ़ से होते हुए रथयात्रा के पन्ना नगर पहुंचने पर भी विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने पूज्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की रथयात्रा का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया और धार्मिक उत्साह के साथ रथयात्रा का स्वागत किया। पूज्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन हिंदू एकता रथयात्रा के आगमन पर पन्ना जिले में दिखाई दिया उत्साह धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बना। मडला से अजयगढ़ होते हुए पन्ना नगर तक जगह-जगह हुए स्वागत ने आयोजन को विशेष बना दिया। पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह द्वारा रथयात्रा का स्वागत किए जाने के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला। आयोजन ने सनातन संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और सामाजिक एकता के संदेश को प्रमुखता से सामने रखा।



कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में अपर कलेक्टर पी.के. पाण्डेय ने नागरिकों की समस्याएं सुनते हुए कुल 128 आवेदनों पर सुनवाई की। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण कर पात्रतानुसार समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



नशे के सौदागरों पर कड़ी कार्रवाई और नशे से पीड़ितों के पुनर्वास पर ध्यान दें : उप मुख्यमंत्री

नशामुक्ति केन्द्र के माध्यम से नशे के पीड़ितों का करें पुनर्वास : उप मुख्यमंत्री

रीवा संभाग में 1615 नशे के सौदागरों को भेजा गया जेल : आईजी

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सर्किट हाउस नवीन भवन सभागार में आयोजित बैठक में नशामुक्त भारत अभियान की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के कारोबार में लिप्त व्यक्तियों पर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। अवैध नशीले पदार्थों के उत्पादक और सप्लायर पर भी कड़ी कार्रवाई करें। नशे के सौदागरों पर कड़ी कार्रवाई के साथ-साथ नशे से पीड़ित व्यक्तियों के पुनर्वास पर भी ध्यान देना आवश्यक है। नशामुक्ति केन्द्रों को



सक्रिय करके इनके माध्यम से नशे से पीड़ितों का समुचित पुनर्वास करें। कलेक्टर नशे के शिकार व्यक्तियों की सूची बनाकर उन्हें नशामुक्ति केन्द्रों में समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा और पूरा विन्ध्य तेजी से विकास कर रहा है। कृषि, उद्योग और व्यापार में वृद्धि होने से लोगों की आमदनी बढ़ी है। अधोसंरचना विकास के कार्य क्षेत्र के विकास को गति दे रहे हैं। युवा पीढ़ी अगर

कोरेक्स और अन्य नशीले पदार्थों की गिरफ्त में आ गई तो हर तरह का विकास निरर्थक हो जाएगा। आज विकास के जो कार्य हो रहे हैं उसका सर्वाधिक लाभ वर्तमान में जो युवा हैं उन्हें ही मिलेगा। कोरेक्स और अन्य नशीले पदार्थों के अपराधियों पर एनडीएएस एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई लगातार की जा रही है। उत्तरप्रदेश राज्य से भी समन्वय बनाकर नशे के सप्लायरों पर कार्रवाई की गई है। अवैध नशीले पदार्थ जहाँ बनाए जाते हैं वहाँ तक पहुंचकर भी

कार्रवाई की जाएगी। देश के गृहमंत्री श्री अमित शाह जी ने 2029 तक देश को नशे से मुक्त करने का संकल्प लिया है। इसके लिए समन्वय के साथ कार्ययोजना बनाएं और लगातार कार्रवाई करें। नशामुक्त भारत अभियान में स्वयंसेवी संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों तथा आम जनता को भी भागीदार बनाएं। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने शहर में रात में भारी वाहनों के प्रवेश को रोकने, ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार तथा चौराहों और व्यस्त सड़कों पर अवैध रूप से खड़े ठेलों को व्यवस्थित कराने के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए।

बैठक में रीवा जोन के पुलिस महानिरीक्षक गौरव राजपूत ने कहा कि रीवा संभाग में पिछले 18 महीनों में कोरेक्स, गांजा, एमडी ड्रग्स, अवैध शराब तथा हेरोइन जैसे नशीले पदार्थों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की गई है। संभाग में 1615 नशे के सौदागरों को जेल भेजा गया है। इनसे 5535

किलो 931 ग्राम गांजा, 97665 शीशी कोरेक्स, 413310 नग नशील टैबलेट कैप्सूल तथा 450 अफीम के हरे पेड़ जब्त किए गए हैं। अभियान के तहत 123.6 ग्राम हेरोइन, 206.54 ग्राम स्मैक, 244 ग्राम ब्राउन शुगर तथा 3 किलो 87 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की गई हैं। इनकी कुल कीमत 13 करोड़ 17 लाख 39 हजार 600 रुपए है। नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार में लिप्त 181 दो पहिया वाहन तथा 131 चार पहिया वाहन जब्त किए गए हैं। इनकी कुल कीमत 10 करोड़ 41 लाख 70 हजार रुपए है। पुलिस विभाग ने संभाग में शराब के अवैध कारोबार करने वालों के विरुद्ध 11998 प्रकरण दर्ज कर 12199 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनसे 35890 लीटर अवैध देशी शराब तथा 22807 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई है। इसकी कीमत 3 करोड़ 97 लाख 53 हजार 333 रुपए है। अपराधियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

सभी पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल करें : जिला निर्वाचन अधिकारी

रीवा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार जिले में सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों के कुल 1707 मतदान केन्द्रों में मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि 7 से 9 अक्टूबर तक विशेष शिविर लगाकर मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए पात्र व्यक्तियों के आवेदन प्राप्त किए गए हैं। जिले भर में 5 हजार से अधिक आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। सभी रजिस्ट्रीकरण

अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा बीएलओ प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल कराएं। नगरीय निकाय के वार्डों और ग्राम पंचायतों में मुनादी कराकर लोगों को मतदाता सूची में नाम शामिल कराने की सूचना दें। कोई भी योग्य मतदाता मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। जिले में एक जनवरी 2027 की अर्हता तिथि को 18 साल की आयु पूरी कर रहे युवाओं के फार्म 6 में आवेदन लेकर उनका नाम मतदाता सूची में शामिल

करें। इसके लिए किसी भी तरह की घोषणा पत्र की आवश्यकता नहीं है। शिफ्टेड मतदाताओं से फार्म 7 और 6 में आवेदन लेकर मतदाता सूची में नाम शामिल कराएं। इसकी जानकारी निर्वाचन आयोग की वेबसाइट और पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज करें। इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई शिकायत या समस्या है तो वह रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा बीएलओ से संपर्क कर शिकायत दर्ज करा सकता है।

सभी कृषि उपज मंडियों की जमीन राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज की जाए : कमिश्नर

रीवा। रीवा संभाग कमिश्नर श्री शीलेंद्र सिंह ने संभागीय समय सीमा की बैठक में कृषि उपज मंडी के प्रबंधक को निर्देश दिए कि वह यह सुनिश्चित करें कि संभाग के सभी जिलों की कृषि उपज मंडी की वह जमीन जो अब तक राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं है वह प्राथमिकता से राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज हो जाए। कमिश्नर ने कृषि उपज मंडियों की जो जमीन अभी तक राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं है उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। कमिश्नर ने नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रबंधक को खाद्यान्न का उठाव करने

के निर्देश दिए साथ ही खाद्यान्न का वितरण भी शत-प्रतिशत करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने उपयुक्त सहकारिता को निर्देश दिए कि जो समितियां खाद बीज का भंडारण करने में सक्षम हैं वे सभी समितियां खाद की एडवांस लिफ्टिंग करने का कार्य करती रहें। कमिश्नर ने कहा कि अभी से खाद का एडवांस लिफ्टिंग करने से अचानक मांग बढ़ने से सप्लाई बाधित नहीं होगी, अतः खाद-बीज का अग्रिम भंडारण सुनिश्चित किया जाए।

कमिश्नर ने उद्यानिकी विभाग



की अधिकारी को निर्देश दिए कि वे रीवा संभाग में धनिया के प्रोडक्शन के अलावा मखाने की खेती करने के लिए रीवा संभाग के किसानों को प्रोत्साहित करें। इसके लिए किसानों के पर्याप्त प्रशिक्षण की

व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि मखाना की खेती को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया है अतः आगामी दिनों में मखाना की खेती में पर्याप्त प्रगति लाई जाए। संभागीय समय सीमा की बैठक से लगातार अनुपस्थित रहने पर कमिश्नर ने वन विभाग के डीएफओ के प्रति सख्त नाराजगी व्यक्त की और निर्देश दिए कि वन विभाग को पत्र लिखकर बैठक में डीएफओ की उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए। कमिश्नर ने बैठक में 100 दिवस से

अधिक समय से लॉबित सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा की और महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग, पीएचई एवं अन्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपनी बढ़ती हुई सीएम हेल्पलाइन की लॉबित शिकायतों का निराकरण जल्द से जल्द करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि प्रकरणों के निराकरण में रूचि न दिखाने वाले एवं लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध निमग अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कलेक्टर ने स्वामित्व योजना के संबंध में दिए निर्देश

मऊगंज। जिले की सभी तहसीलों में स्वामित्व योजना के पात्र परिवारों के भू अधिकार पत्रों के निःशुल्क पंजीयन का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने राजस्व अधिकारियों को स्वामित्व योजना के संबंध में निर्देश देते हुए कहा है कि सारा एप में लागिन करते समय कई बातों का ध्यान रखें। शासन के निर्देशों के अनुरूप पंजीयन की कार्रवाई पूरी करें। सारा एप का नवीनतम वर्जन 8.6 मोबाइल में इंस्टॉल करें इसी पर एप ठीक से कार्य करेगा। कई पटवारी अपना सारा एप डेवलपर मोड पर चला रहे हैं। अनधिकृत उपयोग से बचने के लिए इसे बंद कर दें। भू अभिलेख की रजिस्ट्री में गवाह के पिता का नाम यदि खाली है तो इसे मैनुअल रूप से दर्ज कर दें।

रोजगार मेला टीआरएस कॉलेज में आज

रीवा। युवा संगम कार्यक्रम के तहत टीआरएस कॉलेज रीवा में 14 अक्टूबर को वृहद रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेले में रीवा जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। रोजगार मेले में 24 कंपनियां शामिल हो रही हैं। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अंनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में आने वाले युवाओं का पंजीयन सुबह 11 बजे से 2 बजे तक किया जाएगा। मेले में शामिल होने वाले युवाओं के लिए आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। रोजगार मेले में शामिल होने

के लिए युवाओं की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, एमबीए, समस्त ट्रेडों से आईटीआई उत्तीर्ण तथा मेकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा प्राप्त युवा रोजगार मेले में शामिल हो सकते हैं। वेतन एवं भत्ते 7 हजार रुपए से 35 हजार रुपए कंपनीवाज अलग-अलग निर्धारित किया गया है। रोजगार मेले में आने वाले युवाओं को अपने साथ समग्र आईडी, बाले अंकसूची की छायाप्रति, निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लाना अनिवार्य होगा।

शासकीय योजनाओं से संवर रहा नीलम कुशवाहा का जीवन, मिल रहा आर्थिक संवल

मऊगंज। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। मऊगंज जिले के नईगढ़ी विकासखंड की निवासी श्रीमती नीलम कुशवाहा को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना , लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इन योजनाओं से उन्हें आर्थिक संवल और परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिल रही है।

पाठशाला पब्लिक स्कूल में मनाया गया विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

रीवा। स्कूल के संस्थापक ओमप्रकाश गुप्ता और श्रीमती नर्मदा गुप्ता द्वारा पाठशाला पब्लिक स्कूल डेक्कह रीवा में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रयास करना है। पाठशाला स्कूल को प्राचार्य सारिका गुप्ता ने आगे बताया कि समाज में मानसिक बीमारियों का लेकर बने कलंक और झिझक को दूर करना है। यह याद दिलाना कि मानसिक स्वास्थ्य

भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। लोगों को सही समय पर डॉक्टर या काउंसिलिंग की मदद लेने के लिए प्रेरित करना। आज के परिवेश में बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य मोबाइल, टी.वी. और लैपटॉप से असंतुलित रहता है। उनके व्यवहारों में जिदीपन, चिड़चिड़ापन, तेज आवाज में बोलना और अपने माता-पिता के बातों को न मानना, बच्चों के व्यवहारों में जारी रहता है। भारत में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी इसकी पहुंच और जानकारी कम है। भारत सरकार द्वारा टेली-मानस जैसी

राष्ट्रीय टेली मेटल हेल्पलाइन चलाई जा रही है, जिसके जरिये मुफ्त परामर्श और मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसमें प्रमुख रूप से मानसी गुप्ता, जीतेन्द्र गुप्ता, दीपांजी केशरवाणी, अमित केशरी, सतिता गुप्ता, आयुष्मान गुप्ता, श्रुति गुप्ता, सृष्टि गुप्ता, आर्यमान गुप्ता, शौर्यमान गुप्ता, गीता द्विवेदी, खुशी सिंह, अचार सिंह, नेहा सिंह, अंजली सिंह, मुस्कान तिवारी, एकता तिवारी, सोनू प्रजापति, नम्रता तिवारी, पूर्णिमा सिंह, अमे ताप्रकार, किस्मत कुमार, आदर्श यादव, सुधीं वर्मा, राशी विश्वकर्मा आदि लोग उपस्थित थे।

जनसुनवाई में 128 आवेदन प्राप्त

मऊगंज। कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में अपर कलेक्टर पी.के. पाण्डेय ने नागरिकों की समस्याएं सुनते हुए कुल 128 आवेदनों पर सुनवाई की। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण कर पात्रतानुसार समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में भूमि, आवास, विद्युत, मानदेय तथा सड़क-पुलिया निर्माण से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इनमें ग्राम खटखरी स्थित प्राचीन तालाब का सीमांकन कर अतिक्रमण हटाने, विद्युत बिल में सुधार तथा लाड़ली बहना का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन प्रमुख रहे। अपर कलेक्टर ने अधिकारियों को

निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर आवश्यक अभिलेखों का सत्यापन करें तथा नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने आवेदकों को उनके प्रकरणों की प्रगति से अवगत कराने के निर्देश भी दिए। अपर कलेक्टर ने कहा कि जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के निराकरण का महत्वपूर्ण माध्यम है। अधिकारी संवेदनशीलता के साथ आवेदनों पर कार्रवाई करते हुए पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर अजीत मिश्र एसडीएम मऊगंज रश्मि चतुर्वेदी, एसडीएम हनुमान राजेश मेहता, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय योजनाओं से मिला सहारा, खेती बनी आजीविका का आधार

मऊगंज। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं पात्र हितग्राहियों को आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान कर उनके जीवन को संवल दे रही हैं। जिले के श्री कमल मान सिंह को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ मिल रहा है, जिससे उनके परिवार को सहारा प्राप्त हुआ है। श्री कमल मान सिंह खेती-किसानी के माध्यम से अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत आर्थिक सहायता मिल रही है। आयुष्मान कार्ड से स्वास्थ्य सुरक्षा तथा राशन कार्ड के माध्यम से खाद्यान्न का लाभ प्राप्त हो रहा है। शासन की योजनाओं से मिल रहे लाभ ने परिवार को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहयोग दिया है।

कमिश्नर ने संभाग के विभिन्न जिलों से आए हुए आवेदकों के आवेदनों पर की सुनवाई

किसी ने भूमि का मुआवजा चार गुना दिलाने तो किसी ने आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती में फर्जी मार्कशीट लगाने की शिकायत की

रीवा। प्रति मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में आम जनों के आवेदन और शिकायतों पर प्रभावी सुनवाई करते हुए कार्यवाही की जाती है। आज आयोजित जनसुनवाई में रीवा संभाग कमिश्नर श्री शीलेंद्र सिंह ने रीवा, सतना, मैहर, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली जिले के दूर दराज के क्षेत्रों से आए हुए आवेदकों की समस्याओं और शिकायतों को सुना एवं सभी आवेदकों की समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में आए अभय मिश्रा ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि खैरवा कला, इटहरा, भैसासुर

एवं बेरमा ग्राम में स्थित जमीन का अधिग्रहण नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा किया गया है। उन्होंने वर्तमान में लागू कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार भूमि का चार गुना मुआवजा दिलाने की मांग की। कमिश्नर ने सीई जल संसाधन विभाग को उक्त आवेदन की जांच कर उचित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में बेला निवासी खुशबू प्रजापति ने आवेदन देकर बताया कि आंगनबाड़ी सहायिका की नियुक्ति में पर्याप्त डॉक्यूमेंट होने के बावजूद उनकी नियुक्ति न कर एक अन्य महिला की नियुक्ति सहायिका के पद पर की गई है। उन्होंने बताया कि नियुक्त सहायिका की



मार्कशीट अमान्य बोर्ड की है। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया एवं मार्कशीट की जांच कराने की मांग की। कमिश्नर ने कलेक्टर सतना को उक्त आवेदन का परीक्षण कर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। ग्राम कोठी जिला सतना के गिरिश कुमार मिश्रा ने अपने प्रस्तुत

आवेदन में बताया कि जमीन के राजस्व कृषि नक्शों की समस्या का निराकरण किया जाए। कमिश्नर ने कलेक्टर सतना को तत् संबंध में उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ग्राम तमरी तहसील हुजूर के रमेश साकेत ने आवेदन देकर बताया कि ग्राम के

उप स्वास्थ्य केंद्र के शासकीय आवास में एक स्थानांतरित स्वास्थ्य महिला कर्मचारी का अभी तक कब्जा है। उन्होंने बताया कि उक्त कर्मचारी का कई वर्ष पहले स्थानांतरण हो चुका है लेकिन अभी भी वह कर्मचारी आवास पर कब्जा नहीं छोड़ रही है। कमिश्नर द्वारा संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं को उक्त आवेदन का परीक्षण कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। यातायात नगर ग्राम पड़र्रा जिला रीवा के राकेश गुप्ता ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि रेलवे द्वारा अधिग्रहित पड़र्रा यातायात नगर जी 7 प्लॉट के रकबा में संशोधन कर भूमि स्वामी का नाम दर्ज किया जाए।